■ वैशाख शुक्ल - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 277 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 07-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कुछ लोग भारतीय क्रिकेट को अपनी निजी जागीर समझते हैं : गंभीर

6 भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं टैगोर

7 बॉस ऑफिस पर सफल होना हमेशा एक अद्भुत अनुभव होता है : वाणी कपूर

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान घुसपैठिया गिरफ्तार

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर मंगलवार को एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक तनाव तथा पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सीमा पर लगभग प्रतिदिन होने वाले संघर्ष विराम उल्लंघन के बीच यह गिरफ्तारी की गई। अधिकारियों ने बताया कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने के कुछ ही देर बाद ही, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के तारखल गांव निवासी वकास को चकन-दा-बाग क्षेत्र के गांव से सैन्य कर्मियों ने हिरासत में लिया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि वकास अनजाने में नियंत्रण रेखा पार कर गया था।

पाकिस्तान अगले बजट में रक्षा खर्च में 18 प्रतिशत की वृद्धि करेगा : रिपोर्ट

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान की गठबंधन सरकार भारत के साथ तनाव के कारण अगले बजट में रक्षा खर्च में 18 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 2,500 अरब रुपए से अधिक करने की तैयारी कर रही है। मंगलवार को मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। सरकार एक जुलाई से शुरू होने वाले नए वित्त वर्ष से पहले जून के पहले सप्ताह में 2025-26 का बजट पेश करने की तैयारी में है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।

बलूच लिबरेशन आर्मी के हमले में पाकिस्तान के सात सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में कम से कम सात सैनिक मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, ''बलूच लिबरेशन आर्मी के आतंकवादियों ने कच्छी जिले के माच क्षेत्र में सुरक्षा बल के एक वाहन को विस्फोटकों से निशाना बनाया।'' सेना ने बताया कि इस हमले में उसके सात सैनिक मारे गए हैं। उसने कहा कि क्षेत्र में मौजूद आतंकवादियों को मार गिराने के लिए इलाके की तलाशी ली जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले सप्ताह पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने अशांत बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग घटनाओं में 10 आतंकवादियों को मार गिराया था।

07-05-2025 सूर्यास्त 6:25 बजे | 08-05-2025 सूर्योदय 5:45 बजे

BSE	NSE
80,641.07	24,379.60
(-155.77)	(-81.55)

सोना	चांदी
101,137 रु.	111,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आओ सोचें नया

छोड़ें बीते कल की बातें,
हम लिखें नया इतिहास आज।
सबसे पहले हो राष्ट्रधर्म,
हों जाति मुक्त सारे समाज।
हो राजनीति भी दल विहीन,
गुणियों-सच्चों को मिले राज।
हर मन में हो सौहार्दभाव,
हर योग्य व्यक्ति को मिले काज।।

आतंकवाद पर पाकिस्तान और कांग्रेस अध्यक्ष के सुर एक जैसे : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पाकिस्तान और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आतंकवाद पर ''एक ही सुर'' में बोल रहे हैं।

हमीरपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद ने कहा कि खरगे को बताना चाहिए कि ऐसी क्या मजबूरी है कि कांग्रेस को ''पाकिस्तान की भाषा'' बोलनी पड़ रही है।

ठाकुर ने कहा, ''आतंकवाद पर पाकिस्तान और कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एक ही सुर में बोल रहे हैं। यह देश के लिए हानिकारक है। यह पहली बार नहीं है कि कांग्रेस और पाकिस्तान के बोल एक जैसे हों।'' ठाकुर ने कहा कि भारत के लोगों का खून बहा है, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी पाकिस्तान के सुर में सुर मिला रहे हैं।

'मॉक ड्रिल' में भाग लेने की अपील

उन्होंने लोगों से बुधवार को 200 से अधिक जिलों में होने वाली 'मॉक ड्रिल' में भाग लेने की अपील की। भाजपा नेता ने कहा कि अगर युद्ध जैसी स्थिति बनती है तो जनता जितनी जागरूक होगी, उतना ही अच्छा होगा।

भारतीय वायुसेना का 'नोटम' जारी

भारतीय वायुसेना सीमावर्ती क्षेत्रों में दो दिवसीय युद्धाभ्यास करेगी

नई दिल्ली/भाषा/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। भारतीय वायुसेना बुधवार से पाकिस्तान से लगे सीमावर्ती क्षेत्रों में दो दिवसीय वृहद सैन्य अभ्यास करेगी जिसमें राफेल, सुखोई-30 और जगुआर विमानों सहित सभी अग्रणी लड़ाकू विमान शामिल होंगे। रक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह अभ्यास 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में बढ़े तनाव के बीच हो रहा है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।

भारत के नागर विमानन प्राधिकरण ने हवाई अभ्यास के लिए पहले ही 'नोटिस टू एयरमेन' (नोटम) जारी कर दिया है। यह अभ्यास मुख्य रूप से भारत-पाकिस्तान सीमा के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्से में होगा।

अपने सभी मोबाइल फोन भारत में ही बनाएगा एप्पल : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि वर्तमान में भारत में निवेश करना हर मूल उपकरण विनिर्माता के लिए आर्थिक रूप से समझदारी भरा कदम है। उन्होंने इस संबंध में अमेरिकी स्मार्ट उपकरण कंपनी एप्पल के उस फैसले का उदाहरण दिया जिसमें उसने अमेरिका में बिकने वाले अधिकतर आईफोन को भारत में बनाने तथा यहां से खरीदने का निर्णय लिया है।

'भारत टेलीकॉम' कार्यक्रम में सिंधिया ने कहा कि वर्तमान में भारत में निवेश केवल सद्भावना का कार्य नहीं है, बल्कि यह हर एक ओईएम (मूल उपकरण विनिर्माता) के लिए आर्थिक रूप से समझदारी भरा कदम है।

सिंधिया ने कहा, '' एप्पल ने आने वाले वर्षों में अपने सभी मोबाइल फोन भारत में ही बनाने तथा यहीं से खरीदने का निर्णय लिया है। जब आप भारत में निवेश करते हैं, तो आप सामर्थ्य, विश्वसनीयता और मौलिकता का चयन करते हैं।''

एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने हाल ही में कहा था कि जून तिमाही में अमेरिका में बेचे जाने वाले अधिकतर आईफोन की आपूर्ति भारत से की जाएगी। वहीं शुल्क दरों पर अनिश्चितता के बीच चीन अन्य बाजारों के लिए सर्वाधिक आईफोन बनाना जारी रखेगा। सिंधिया ने कहा कि सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना से लाभान्वित दूरसंचार उपकरण बाजार में कई गुना वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा, '' केवल 4,000 करोड़ रुपए, यानी आधा अरब डॉलर के निवेश के परिणामस्वरूप 80,000 करोड़ रुपए की बिक्री हुई है, निर्यात में 16,000 करोड़ रुपए का योगदान रहा और 25,000 नौकरियां सृजित हुई हैं।

भारत का पानी अब देश के काम आएगा : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **पहले भारत के हक का पानी भी बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी, भारत के हक में रहेगा। भारत के हक में रुकेगा। और भारत के ही काम आएगा।**

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत का पानी अब देश के बाहर नहीं बहेगा, बल्कि इसका उपयोग राष्ट्र के हित में किया जाएगा। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सिंधु जल संधि स्थगित किए जाने के स्पष्ट संदर्भ में पाकिस्तान पर केंद्रित थी।

एबीपी नेटवर्क के 'इंडिया ऐट 2047' शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि बड़े निर्णय लेने और उद्देश्यों को प्राप्त करने में राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देना एवं देश की क्षमता पर विश्वास करना महत्वपूर्ण है।

मोदी ने नदियों को आपस में जोड़ने पर अपनी सरकार के कदमों को रेखांकित किया और कहा कि पानी कभी राज्यों के बीच संघर्ष का स्रोत हुआ करता था। उन्होंने पानी के मुद्दे पर जारी चर्चा का हवाला देते हुए पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदम का संकेत दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''पहले भारत के हक का पानी भी बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी, भारत के हक में रहेगा। भारत के हक में रुकेगा। और भारत के ही काम आएगा।''

हालांकि, मोदी ने पाकिस्तान का कोई सीधा संदर्भ नहीं दिया या आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव पर कोई अन्य टिप्पणी नहीं की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब जब लोग देश को देखते हैं, तो वे गर्व से कह सकते हैं कि ''लोकतंत्र में परिणाम मिल सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार जीडीपी-केंद्रित दृष्टिकोण से आगे बढ़कर सकल जन सशक्तीकरण (जीईपी) पर आधारित प्रगति की ओर बढ़ रही है।

नदियों को आपस में जोड़ने के लिए किए गए कार्यों के बारे में मोदी ने चुटकी लेते हुए कहा कि इन दिनों मीडिया में पानी पर गहन चर्चा हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''इससे पहले, जो पानी भारत के हक का था, वह भी देश से बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी देश के हित में बहेगा और देश के काम आएगा।''

उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के तहत भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने की ओर स्पष्ट इशारा करते हुए यह बात कही।

नए वक्फ कानून का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि इस कानून में सुधार की जरूरत दशकों से महसूस की जा रही थी, लेकिन वोट बैंक को संतुष्ट करने के लिए इस नेक काम को भी बदनाम कर दिया गया। उन्होंने कहा, ''अब संशोधन किए गए हैं जो वास्तविक अर्थों में गरीब मुस्लिम माताओं और बहनों तथा गरीब पसमांदा मुसलमानों की मदद करेंगे।''

मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि इस बदलते भारत का सबसे बड़ा सपना 2047 तक 'विकसित भारत' बनना है। उन्होंने कहा, ''देश में इसके लिए क्षमताएं, संसाधन और इच्छाशक्ति मौजूद है।''

सीयूईटी-यूजी स्थगित होने की संभावना

नई दिल्ली/भाषा। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी)-स्नातक (यूजी) की आठ मई को होने वाली परीक्षा के स्थगित होने की संभावना है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नई तारीखों की आधिकारिक घोषणा जल्द होने की संभावना है। परीक्षा बृहस्पतिवार को शुरू होने वाली थी, लेकिन एजेंसी ने अब तक विषयवार 'डेटशीट' की घोषणा नहीं की है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-यूजी आयोजित करने का कार्य अभी-अभी पूरा किया है, जो पिछले साल जांच के दायरे में थी और परीक्षा की शुचिता को लेकर सवाल उठे थे। एक सूत्र ने कहा, ''परीक्षा स्थगित होने की संभावना है और नई तारीखों की घोषणा जल्द की जाएगी।'' देश में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश द्वार माने जाने वाले सीयूईटी-यूजी में इस साल रिकॉर्ड 13.5 लाख आवेदन आए हैं।

उच्चतम न्यायालय ने आरक्षण पर कहा

रेलवे की तरह है भारत में आरक्षण, जो अंदर हैं वे नहीं चाहते कि दूसरे अंदर आएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को देश में आरक्षण की तुलना ट्रेन से करते हुए कहा कि जो लोग डिब्बे में चढ़ जाते हैं वे नहीं चाहते कि दूसरे अंदर आएं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण का विरोध करने वाली याचिका की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

याचिकाकर्ता मंगेश शंकर सासाने की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार के जयंत कुमार बंठिया के नेतृत्व वाले आयोग ने स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया और वह भी बिना पता लगाए कि वे राजनीतिक रूप से पिछड़े हैं या नहीं।

न्यायमूर्ति कांत ने शंकरनारायणन से कहा, ''बात यह है कि इस देश में आरक्षण का धंधा ट्रेन की तरह हो गया है। जो (रेलगाड़ी के) डिब्बे में चढ़ गए हैं, वे नहीं चाहते कि कोई और अंदर आए। यही पूरा खेल है। याचिकाकर्ता का भी यही खेल है।''

शंकरनारायणन ने कहा कि कम्पार्टमेंट ''पीछे भी जोड़े जा रहे हैं''। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक पिछड़ापन सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन से अलग है, और ओबीसी को स्वयमेव राजनीतिक रूप से पिछड़ा नहीं माना जा सकता है। उन्होंने कहा, ''ओबीसी के भीतर, आरक्षण के उद्देश्य से राजनीतिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों को पहचाना जाना चाहिए।''

न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि जब कोई समावेशिता के सिद्धांत का पालन करता है, तो राज्यों को अधिक वर्गों की पहचान करने के लिए बाध्य होना पड़ता है। उन्होंने कहा, ''सामाजिक रूप से, राजनीतिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग होगा। उन्हें लाभ से वंचित क्यों किया जाना चाहिए? इसे एक विशेष परिवार या समूह तक ही सीमित क्यों रखा जाना चाहिए?'' शीर्ष अदालत ने याचिका पर नोटिस जारी किया और इसी विषय से संबंधित अन्य लंबित मामलों के साथ संबद्ध करते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा।

यूएनएससी सदस्यों ने तनाव कम करने का आह्वान किया, पाकिस्तान से 'कड़े सवाल' पूछे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **सूत्रों ने कहा कि कुछ सदस्यों ने विशेष रूप से धार्मिक आस्था के आधार पर पर्यटकों को निशाना बनाने का मुद्दा उठाया।**

■ **यूएनएससी सदस्यों ने पूछा कि क्या पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के इसमें शामिल होने की संभावना है या नहीं।**

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत-पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने बंद कमरे में इस मुद्दे पर चर्चा की, जिसमें राजदूतों ने संयम बरतने और संवाद करने का आह्वान किया तथा पाकिस्तान से ''कड़े सवाल'' पूछे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मई महीने के लिए अध्यक्ष यूनान ने पाकिस्तान के अनुरोध पर सोमवार को बैठक निर्धारित की थी। पाकिस्तान, वर्तमान में 15 सदस्यीय शक्तिशाली सुरक्षा परिषद का एक अस्थायी सदस्य है।

बैठक जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों की हत्या किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई। पहलगाम हमले की घटना के बाद से भारत में आक्रोश फैला हुआ है।

सुरक्षा परिषद ने बैठक के बाद कोई बयान जारी नहीं किया लेकिन पाकिस्तान ने दावा किया कि उसके उद्देश्य ''काफी हद तक पूरे हो गए''।

संयुक्त राष्ट्र में राजनीतिक और शांति निर्माण मामलों के विभाग (डीपीपीए) एवं शांति अभियान विभाग (डीपीओ) में पश्चिम एशिया, एशिया और प्रशांत मामलों के लिए सहायक महासचिव खालिद मोहम्मद खैरी ने दोनों विभागों की ओर से सुरक्षा परिषद को जानकारी दी। खैरी ट्यूनीशिया से हैं।

बैठक से बाहर आकर खैरी ने कहा कि ''संघर्ष का समाधान संवाद और शांतिपूर्ण तरीके से निकालने'' का आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि ''स्थिति काफी अस्थिर है।''

संयुक्त राष्ट्र में यूनान के स्थायी प्रतिनिधि एवं वर्तमान यूएनएससी अध्यक्ष राजदूत इवेंजेलोस सेकेरिस ने इसे ''सार्थक और उपयोगी बैठक'' बताया।

रूस के एक राजनयिक ने कहा, ''हमें तनाव कम होने की उम्मीद है।''

सूत्रों ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने अपने अनौपचारिक सत्र में पाकिस्तान से ''कड़े सवाल'' पूछे। उन्होंने कहा कि भारत के साथ द्विपक्षीय रूप से मुद्दों को सुलझाने की सलाह दी गई।

सूत्रों ने कहा कि आतंकवादी हमले की व्यापक निंदा की गई और जवाबदेही की आवश्यकता को स्वीकारा गया। सूत्रों ने कहा कि कुछ सदस्यों ने विशेष रूप से धार्मिक आस्था के आधार पर पर्यटकों को निशाना बनाने का मुद्दा उठाया। यूएनएससी सदस्यों ने पूछा कि क्या पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के इसमें शामिल होने की संभावना है या नहीं।

सुरक्षा परिषद की यह बैठक सोमवार दोपहर को लगभग डेढ़ घंटे तक चली। बैठक का आयोजन 'यूएनएससी चैंबर' में नहीं बल्कि उसके बगल के परामर्श कक्ष में हुआ।

सूत्रों ने बताया कि स्थिति का अंतरराष्ट्रीयकरण करने के पाकिस्तान के प्रयास भी विफल रहे। कई सदस्यों ने चिंता व्यक्त की कि पाकिस्तान के मिसाइल परीक्षण और परमाणु बयानबाजी ने स्थिति को बिगाड़ने का काम किया। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने संवाददाताओं से कहा कि बैठक में देश के उद्देश्य ''काफी हद तक पूरे और हासिल किए गए''।

हवाई हमलों से यमन का मुख्य हवाई अड्डे तबाह : इजराइल सेना

यरूशलम/एपी। इजराइली सेना ने मंगलवार को बताया कि बल द्वारा यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर किये गये हवाई हमलों में राजधानी सना में देश का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पूरी तरह से तबाह हो गया। सेना ने यह भी बताया कि हवाई हमलों से क्षेत्र में कई बिजली संयंत्रों को नुकसान पहुंचा है। इजराइली टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज में सना के प्रभावित क्षेत्रों में धुएं का घना काला गुबार उठता हुआ देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित वीडियो में सना के आसपास हमले होते हुए और इनमें विस्फोट की आवाज के साथ काला धुआं उठता हुआ देखा जा सकता है। इजराइल ने यमन में विद्रोहियों को निशाना बनाकर दो दिनों में दूसरी बार हवाई हमले किये। रविवार को इजराइल के हवाई अड्डे पर मिसाइल हमले के जवाब में यह हमला किया गया था।

भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन

'गगनयान' अंतिम चरण में : जितेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' कार्यक्रम अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर चुका है। देश का पहला मानव अंतरिक्ष यान 2027 की पहली तिमाही मे अभियान पर रवाना होगा।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को यहां मीडिया से बातचीत करते हुए इस मिशन की वर्तमान स्थिति, तकनीकी प्रगति तथा भारत के लागत प्रभावी अंतरिक्ष कार्यक्रम से होने वाले व्यापक आर्थिक लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसरो तथा अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन भी उनके साथ थे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि टीवी-डी1 मिशन तथा इस वर्ष की शुरुआत में पहले मानवरहित परीक्षण यान मिशन के सफल समापन ने आगामी परीक्षण कार्यक्रम के लिए मजबूत आधार तैयार किया है। दूसरा टेस्ट व्हीकल मिशन 2025 के अंत में निर्धारित किया गया है, उसके बाद गगनयान की बिना चालक वाली कक्षीय उड़ानें होंगी। ये मील के पत्थर 2027 में भारत की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान के साथ समाप्त होंगे, जिसमें भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को भारतीय धरती से भारतीय रॉकेट पर सवार होकर कक्षा में भेजा जाएगा।

इसे 'ऐतिहासिक मिशन' कहते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने रेखांकित किया कि गगनयान कार्यक्रम वैज्ञानिक उपलब्धियों से कहीं आगे है। उन्होंने कहा,यह स्वदेशी तकनीक, राजकोषीय विवेक और दूरदर्शी राजनीतिक नेतृत्व पर आधारित वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में भारत के उदय का प्रतिनिधित्व करता है।

जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना का वाहन खाई में गिरा, दो जवानों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में मंगलवार को नियंत्रण रेखा के पास एक वाहन के खाई में गिर जाने से दो जवानों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जिस सैन्य वाहन में वे यात्रा कर रहे थे वह करनाह के टीटवाल क्षेत्र में रेयाला मुरचाना रोड पर एक खाई में गिर गया।

अधिकारियों ने बताया कि दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को यहां सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मोदी के जम्मू कश्मीर दौरा रद्द करने संबंधी

खरगे की टिप्पणी को भाजपा ने गैरजिम्मेदाराना बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पहलगाम हमले से कुछ दिन पहले प्रतिकूल खुफिया जानकारी के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जम्मू कश्मीर की उनकी यात्रा रद्द किए जाने का आरोप लगाने के लिए मल्लिकार्जुन खरगे की आलोचना करते हुए भाजपा ने कहा कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के समय कांग्रेस अध्यक्ष इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी नहीं कर सकते थे।

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि खरगे राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर विवादास्पद टिप्पणी करने वाले अपनी पार्टी के नेताओं को नियंत्रित करने के बजाय स्वयं उनके गुट में शामिल हो गए हैं। प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा, वह किस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं! एक तरफ वह (सर्वदलीय) बैठक में कहते हैं कि वे देश के साथ खड़े हैं, दूसरी तरफ वह देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। रांची में एक जनसभा में खरगे ने आरोप लगाया था कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले से तीन दिन पहले खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद मोदी ने सरकारी कार्यक्रम के लिए जम्मू कश्मीर का उनका दौरा रद्द कर दिया था।

खरगे ने आरोप लगाया, मुझे जानकारी मिली है कि हमले से तीन दिन पहले मोदी जी को एक खुफिया रिपोर्ट भेजी गई थी और इसीलिए मोदी जी ने कश्मीर का अपना दौरा रद्द कर दिया...जब एक खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि आपकी सुरक्षा के लिए वहां जाना उचित नहीं है, तो आपने लोगों की सुरक्षा के लिए अपनी सुरक्षा, खुफिया, स्थानीय पुलिस और सीमा बल को सूचित क्यों नहीं किया? जब आपको जानकारी मिली तो आपने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया, लेकिन वहां पर्यटकों की सुरक्षा के लिए अधिक बल नहीं भेजे... प्रसाद ने कहा कि मुख्य विपक्षी दल के अध्यक्ष की ओर से इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी नहीं आ सकती। उन्होंने कहा, यह (ऐसे समय में) दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणी है, जब लोग राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल की तैयारी के बीच देश और सरकार के साथ खड़े हैं।

भारत में 2032 तक 12.3 करोड़ इलेक्ट्रिक वाहन होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में 2032 तक सबसे अच्छी स्थिति में भी 12.3 करोड़ इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सड़कों पर होंगे। मंगलवार को जारी इंडिया एनर्जी स्टोरेज अलायंस (आईईएसए) और कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशंस (सीईएस) की रिपोर्ट में यह कहा गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यावरण अनुकूल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम और 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने की आवश्यकता है। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और 2030 के लिए निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्य- 30 प्रतिशत ईवी को समर्थन किया जा सकेगा। इस तीव्र वृद्धि को सहायक सरकारी नीतियों, जैसे कि फेम-2 योजना द्वारा बढ़ावा मिला है, जो सार्वजनिक चार्जिंग बुनियादी ढांचे के लिए पूंजी सब्सिडी के साथ-साथ इलेक्ट्रिक दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहनों के लिए मांग प्रोत्साहन प्रदान करती है। यह राष्ट्रीय ईवी लक्ष्य (एनईवी) परिदृश्य के अनुरूप है, जो पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एनईवी परिदृश्य 'ईवी30एट30' महत्वाकांक्षा पर आधारित है, जिसमें यह माना गया है कि 2030 तक, इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए ईवी की पहुंच 80 प्रतिशत, निजी इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहनों के लिए 30 प्रतिशत, वाणिज्यिक कारों के लिए 70 प्रतिशत और इलेक्ट्रिक बसों के लिए 40 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। यह परिवहन विद्युतीकरण के लिए नीति आयोग के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

'भारत इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर मार्केट ओवरव्यू' शीर्षक वाली रिपोर्ट में देश के बुनियादी ढांचे और ऊर्जा परिदृश्य पर इस बदलाव के संभावित प्रभाव को रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट ने बताया गया कि भारत में 2024 में सड़कों पर ईवी खंड में इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 93 प्रतिशत से अधिक रही।

राहुल गांधी ने पहलगाम में मारे गए विनय नरवाल के परिजनों से करनाल में मुलाकात की

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए नौसैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिजनों से मंगलवार को हरियाणा के करनाल में मुलाकात की। कांग्रेस के हरियाणा मामलों के प्रभारी बी के हरिप्रसाद के साथ राहुल गांधी दोपहर में करनाल पहुंचे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल के पहुंचने पर कांग्रेस की हरियाणा इकाई के प्रमुख उदयभान, रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और पार्टी नेता दिव्यांशु बुद्धिराजा भी मौजूद थे।

नौसैन्य अधिकारी के आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद राहुल ने नरवाल के परिवार के साथ डेढ़ घंटे से अधिक समय बिताया। राहुल ने लेफ्टिनेंट नरवाल के घर के बाहर इंतजार कर रहे पत्रकारों से बात नहीं की। राहुल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पहलगाम हमले में शहीद हुए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल जी के शोकाकुल परिवार से मिलकर उनका दुख बांटा, उन्हें सांत्वना दी। अपार दुख में भी उनका हौसला और साहस देश के लिए एक संदेश है- हमें एकजुट रहना है।'' उन्होंने पोस्ट में कहा, ''पूरा देश शहीदों के परिवारों के साथ खड़ा है। सरकार को विपक्ष का पूरा समर्थन है- गुनहगारों को ऐसी सजा मिले कि कोई हिन्दुस्तान की ओर आंख उठाने की जुर्रत न करे। पीड़ित परिवारों के साथ पूरा देश आज इंसाफ का इंतजार कर रहा है।''

300 जिलों में परमाणु संयंत्रों, रिफाइनरी और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों में होगी मॉक ड्रिल

नई दिल्ली/भाषा। परमाणु संयंत्रों, सैन्य ठिकानों, रिफाइनरी और जलविद्युत बांधों जैसे संवेदनशील प्रतिष्ठानों वाले करीब 300 'नागरिक सुरक्षा जिलों' में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन, 'शत्रुतापूर्ण हमले' के लिए नागरिक प्रशिक्षण और बंकरों और खंदकों की सफाई के साथ बुधवार को 'मॉक ड्रिल' का आयोजन किया जाएगा।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में लोगों की सक्रिय सहभागिता के साथ 'मॉक' अभ्यास करने पर विस्तार से चर्चा की गई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच उभरे ''नए और जटिल खतरों'' को देखते हुए गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों से बुधवार को मॉक ड्रिल करने को कहा है। सभी राज्यों में अधिकारी मॉक ड्रिल के दौरान शिक्षण संस्थानों के छात्रों, सरकारी और निजी संस्थानों के कर्मचारियों, अस्पताल कर्मचारियों, रेलवे और मेट्रो अधिकारियों के अलावा पुलिस, अर्द्धसैनिक और रक्षा बलों के वर्दीधारी कर्मियों को भी शामिल करेंगे। नागरिक सुरक्षा जिले और सामान्य प्रशासनिक जिले भिन्न होते हैं। किसी भौगोलिक क्षेत्र में छावनी, रिफाइनरी या परमाणु संयंत्र होने पर उसे आवश्यकता और तात्कालिकता के आधार पर 'नागरिक सुरक्षा जिले' के रूप में चिह्नित किया जा सकता है।

गगनयान मिशन के 2027 की पहली तिमाही में पूरा होने की उम्मीद : इसरो प्रमुख नारायणन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' का प्रक्षेपण 2027 की पहली तिमाही तक टाल दिया गया है। यह मूल कार्यक्रम से करीब पांच साल बाद होगा और इसके साथ ही भारत ऐसी जटिल परियोजनाओं के लिए प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल करने के प्रयासों में लगा है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गगनयान परियोजना का पहला मानवरहित मिशन इस साल के अंत में प्रक्षेपित होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इसके बाद 2026 में इसी तरह के दो और मिशन प्रक्षेपित किए जाएंगे। नारायणन ने कहा, ''पहला मानवयुक्त मिशन 2027 की पहली तिमाही में भेजा जाएगा।'' उन्होंने कहा कि इसरो अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजने से पहले मानवरहित मिशन के तहत एक अर्ध-मानव रोबोट 'व्योममित्र' को भेजेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन के दौरान गगनयान परियोजना की घोषणा की थी और भारत की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान के लिए 2022 का लक्ष्य निर्धारित किया था। इस परियोजना में कई बार देरी हुई है, जिसका एक कारण कोविड महामारी भी रही। इसकी वजह से अंतरिक्ष यात्रियों का प्रशिक्षण प्रभावित हुआ। देरी का दूसरा कारण मिशन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल करने संबंधी जटिलताएं हैं। गगनयान मिशन के लिए मानव-योग्य प्रक्षेपण यान विकसित करने के अलावा, इसरो के वैज्ञानिकों ने मिशन के लिए पर्यावरण नियंत्रण एवं जीवन सहायता प्रणाली (ईसीएलएसएस) का भी निर्माण किया है। ईसीएलएसएस मिशन की अवधि के दौरान अंतरिक्ष यान में केबिन दबाव, आर्द्रता, तापमान, वायु गुणवत्ता और व्यक्तिगत स्वच्छता प्रबंधन प्रणाली को बनाए रखने में मदद करेगी। नारायणन ने कहा, यह एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया है। पहली बार हमने यह विकास कार्य किया है।

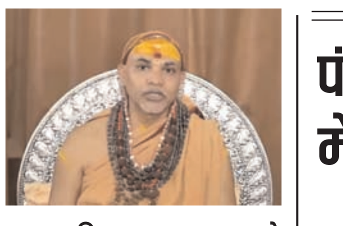

मनुस्मृति का अपमान करने के लिए राहुल गांधी हिंदू धर्म से बहिष्कृत : शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

हरिद्वार/भाषा। ज्योतिर्मठ बदरीनाथ धाम के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को मनुस्मृति का अपमान करने के लिए हिंदू धर्म से बहिष्कृत कर दिया गया है। यहां कनखल स्थित शंकराचार्य मठ में इस बात की घोषणा करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि गांधी ने लोकसभा में किसी प्रसंग में सनातन धर्म के आधार मनुस्मृति का अपमान किया था। मठ से गांधी को इस संबंध में एक नोटिस भी दिया गया था लेकिन उन्होंने न तो इसके लिए क्षमा मांगी और न ही नोटिस का कोई जवाब दिया। उन्होंने कहा, '''इसीलिए मठ ने मनुस्मृति का अपमान करने पर राहुल गांधी को विधिवत रूप से हिंदू धर्म से बहिष्कृत कर दिया है।''

पंजाब की 'आप' सरकार दिल्ली में पानी की कमी पैदा करने की साजिश रच रही : प्रवेश वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी (आप) नीत पंजाब सरकार पर दिल्ली को उसके हिस्से का पानी न देने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

वर्मा ने कहा कि दिल्ली में पिछले छह दिनों से लगातार पानी की कम आपूर्ति की जा रही है। पहले, एक मई को 88 क्यूसेक और फिर पांच मई को 130 क्यूसेक कम आपूर्ति की गई। उन्होंने एक बयान में कहा, ''पंजाब सरकार दिल्ली को उसके हिस्से के पानी से वंचित रखने की साजिश रच रही है। वे राजधानी में फरवरी में हुए चुनाव में 'आप' की हार का बदला लेने के लिए दिल्ली की जनता से पानी की आपूर्ति को लेकर गंदी राजनीति कर रहे हैं।'' मंत्री ने कहा कि रोजाना पानी की कम आपूर्ति किए जाने से दिल्लीवासियों को परेशानी हो रही है, खासकर गर्मियों के मौसम में। उन्होंने पानी की कम आपूर्ति किए जाने की निंदा की और आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार जनता को परेशान नहीं होने देगी।

वर्मा ने पिछले सप्ताह भी 'आप' सरकार पर हरियाणा एवं दिल्ली के पानी के उचित हिस्से को 'रोककर' ''गंदी राजनीति'' करने का आरोप लगाया था। इस मामले पर 'आप' ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने यह बयान ऐसे समय दिया है जब भाखड़ा बांध से पानी के बंटवारे को लेकर पंजाब और हरियाणा के बीच गतिरोध जारी है।

भारत, ब्रिटेन के बीच महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौता, दोहरा योगदान समझौता संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ब्रिटेन ने लंबे समय से प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के साथ दोहरे योगदान समझौता को भी मंगलवार को पूरा कर लिया। इन समझौतों से दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से फोन पर बातचीत होने के बाद इन समझौतों के संपन्न होने की घोषणा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''एक ऐतिहासिक मील के पत्थर के रूप में, भारत और ब्रिटेन ने दोहरे योगदान समझौते के साथ एक महत्वाकांक्षी एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते को सफलतापूर्वक संपन्न किया है।'' उन्होंने कहा, ''ये ऐतिहासिक समझौते हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे और हमारी दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, विकास, रोजगार सृजन एवं नवोन्मेषण को बढ़ावा देंगे।'' मोदी ने कहा कि वह जल्द ही भारत में स्टार्मर का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। दोनों नेताओं ने इसे द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी में ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया।

एनसीआर राज्य पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने में विफल रहे तो अवमानना कार्रवाई की जाएगी : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा सरकार को निर्देश दिया कि वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आने वाले इलाकों में पटाखों पर ''सख्ती से'' प्रतिबंध सुनिश्चित करें, अन्यथा अवमानना कार्रवाई की जाएगी।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने सरकारों से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (ईपीए) के तहत निर्देश जारी करने को कहा, जिसमें सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, बिक्री, भंडारण और ऑनलाइन उपलब्धता पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। इसने कहा कि न केवल इस न्यायालय के आदेश, बल्कि ईपीए की धारा 5 के तहत जारी निर्देशों को राज्यों के सभी कानून प्रवर्तन तंत्रों के माध्यम से सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। अधिनियम की धारा 5 में कहा गया है कि केन्द्र सरकार अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए पर्यावरण प्रदूषण को विनियमित करने के लिए किसी भी अधिकारी या प्राधिकरण को निर्देश जारी कर सकती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य सरकारों को पटाखों पर प्रतिबंध का ''ईमानदारी से कार्यान्वयन'' सुनिश्चित करना चाहिए और प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए एक तंत्र बनाना चाहिए।

इसने कहा, ''हम यह भी स्पष्ट करना चाहते हैं कि यदि इन सरकारों और अन्य संस्थाओं के अधिकारी न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों को लागू करने में विफल रहते हैं तो न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा सकती है। एनसीआर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों से संबंधित सभी राज्यों को व्यापक अनुपालन हलफनामा दाखिल करना होगा। हम राज्य सरकारों को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 के तहत लगाए जाने वाले प्रतिबंध और जुर्माने का व्यापक प्रचार करने का भी निर्देश देते हैं।''

गुजरात: वक्फ 'धोखाधड़ी' मामले में ईडी ने कई स्थानों पर छापे मारे

अहमदाबाद/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुजरात में कुछ वक्फ संपत्तियों में वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी धनशोधन जांच के सिलसिले में मंगलवार को राज्य में कई स्थानों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

ईडी ने इस संबंध में धनशोधन अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक मामला दर्ज किया है। अहमदाबाद पुलिस द्वारा सलीम खान जुम्मा खान पठान, मोहम्मद यासर अब्दुलहामिया शेख, महमूद खान जुम्मा खान पठान, फ़ैज़मोहम्मद पीर मोहम्मद चोबदार और शहीद अहमद याकूभाई शेख के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए ईडी ने पीएमएलए के तहत यह मामला दर्ज किया है।

ईडी के अनुसार, इन आरोपियों ने 'अवैध रूप' से खुद को 'कांच की मस्जिद न्यास' और 'शाह बड़ा कसम न्यास' का न्यासी होने का दावा किया था।

सूत्रों ने बताया कि अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आरोपियों और उनके सहयोगियों के गुजरात भर में लगभग नौ परिसरों पर छापेमारी की जा रही है।

एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, आरोपियों ने फर्जी पट्टा समझौते किये, किरायेदारों से जबरन किराया वसूला और वक्फ बोर्ड को झूठा हलफनामा प्रस्तुत किया।

''संथारा'' के बाद तीन वर्षीय लड़की की मौत, बाल आयोग ने जांच का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इंदौर में 'ब्रेन ट्यूमर' से जूझ रही तीन वर्षीय लड़की को ''संथारा'' व्रत ग्रहण कराए जाने के बाद उसकी मौत के मामले का संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को निष्पक्ष जांच का आदेश दिया है। आयोग के एक सदस्य ने मंगलवार को यह जानकारी दी। संथारा, जैन धर्म की प्राचीन प्रथा है जिसका पालन करने वाला व्यक्ति स्वेच्छा से अन्न-जल, दवाएं और अन्य सांसारिक वस्तुएं छोड़कर प्राण त्यागने का फैसला करता है।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य ओंकार सिंह ने ''पीटीआई-भाषा'' को बताया कि इस निकाय ने इंदौर में तीन साल की बच्ची को संथारा व्रत ग्रहण कराए जाने के बाद उसकी मौत की घटना का बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम 2005 के संबद्ध प्रावधानों के तहत संज्ञान लिया है। सिंह ने बताया कि यह संज्ञान मीडिया की खबरों के आधार पर लिया गया है। उन्होंने बताया, आयोग ने इंदौर के जिलाधिकारी को नोटिस जारी करके कहा है कि मामले से जुड़े सभी पक्षों की निष्पक्ष जांच जल्द करायी जाए और नियमानुसार आवश्यक कदम उठाकर आयोग को इसकी रिपोर्ट भेजी जाए।

सिंह ने कहा कि आयोग खासतौर पर यह जानना चाहता है कि तीन साल की अबोध बच्ची ''संथारा'' के लिए कैसे अपनी सहमति दे सकती है?

सरकार ने देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना अधिसूचित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को निर्दिष्ट अस्पतालों में पहले सात दिन के लिए डेढ़ लाख रुपए तक के कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, (सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना, 2025) योजना पांच मई से लागू हो गई है। इस योजना का उद्देश्य समय पर चिकित्सा सहायता न मिलने के कारण हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को कम करना है।

अधिसूचना में कहा गया, ''किसी भी सड़क पर मोटर वाहन से दुर्घटना का शिकार होने वाला कोई भी व्यक्ति इस योजना के प्रावधानों के अनुसार कैशलेस उपचार का हकदार होगा।'' राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) को पुलिस, अस्पतालों और राज्य स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ समन्वय कार्यक्रम के लिए कार्यान्वयन एजेंसी बनाया गया है। अधिसूचना में कहा गया, ''पीड़ित को दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिन की अवधि के लिए किसी भी निर्धारित अस्पताल में प्रति पीड़ित एक लाख 50 हजार रुपए तक की राशि के कैशलेस उपचार का अधिकार होगा।'' अधिसूचना के अनुसार, इस योजना के अंतर्गत निर्दिष्ट अस्पताल के अलावा किसी अन्य अस्पताल में उपचार केवल पीड़ित की हालत स्थिर करने के उद्देश्य से और दिशानिर्देशों के अनुसार ही होगा। अधिसूचना के अनुसार, राज्य सड़क सुरक्षा परिषद उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के लिए योजना के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी होगी और निर्दिष्ट अस्पतालों को शामिल करने, पीड़ितों के उपचार, उपचार पर निर्दिष्ट अस्पताल को भुगतान एवं संबंधित मामलों के लिए पोर्टल को अपनाने तथा उपयोग के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ समन्वय करने को लेकर जिम्मेदार होगी। सरकार ने योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए सड़क सचिव के अधीन 11-सदस्यीय एक संचालन समिति भी गठित की है। समिति में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सदस्य होंगे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 14 मार्च, 2024 को सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार प्रदान करने के लिए चंडीगढ़ में एक पायलट कार्यक्रम शुरू किया था, जिसे बाद में छह राज्यों तक विस्तारित किया गया।

पेटीएम का घाटा मार्च तिमाही में कम होकर 545 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली/भाषा। पेटीएम ब्रांड की मालिक वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का घाटा पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में कम होकर 545 करोड़ रुपए रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में कंपनी को 551 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी परिचालन आय मार्च तिमाही में 15.7 प्रतिशत घटकर 1,911.5 करोड़ रुपए रह गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में 2,267.1 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष उसका घाटा घटकर 645.2 करोड़ रुपए रह गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 1,390.4 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में उसकी परिचालन आय लगभग 31 प्रतिशत घटकर 6,900 करोड़ रुपए रह गई, जो 2023-24 में 9,977.8 करोड़ रुपए थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं गोपी एस. पुत्र स्व. जी. शिवलिंगम एवं श्रीमति सत्या एन. धर्मपत्नि गोपी एस. निवासी 283/50, ग्राउण्ड फ्लोर, दोड्डुमुनिबालप्पा हट्टी, कैम्पेगौड़ा मेन रोड, नारायण पीयू कॉलेज के पास, एच.ए. फार्म दासरहल्ली, बेंगलूरु 560024 इस आम सूचना के माध्यम से घोषणा करते है कि हमारे पुत्र लिखिल शिव. जी. एस. जो बेंगलूरु के सेन्ट मारथा अस्पताल में 22.08.2019 का जन्म हुआ है जिसके जन्म प्रमाण पत्र नं. 803162/बी/बी/ 2019/106704 बीबीएमपी के जन्म एवं मृत्यु विभाग के मुख्य रजिस्ट्रार द्वारा जारी किया गया है। हमने अपने पुत्र का नाम बदलकर सिद्धांत जी. से बदलकर लिखिल शिव. जी. एस. कर दिया है भविष्य में हमारे पुत्र को इसी नाम से अर्थात् लिखिल शिव. जी. एस. के नाम से जाना एवं पहचाना जाए । नाम परिवर्तन बावत् घोषणा पत्र नोटरी टी. मल्लिकार्जुना के समक्ष दिनांक 03 मई 2025 से शपथ पत्र के माध्यम से की है।

दि. 7.5.2025 भवदीय : गोपी एस. श्रीमति सत्या एन.

''अवसरवादी गठबंधन'' बनाने वालों के समीकरण जनता 2026 के चुनाव में गलत साबित करेगी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी राज्य में अगले साल 2026 में होने वाले चुनाव में एक बार फिर सरकार बनाएगी और जिन लोगों ने ''अवसरवादी गठबंधन'' बनाया है, जनता उनके समीकरण गलत साबित करेगी। द्रमुक सरकार के सात मई को पांचवे साल में प्रवेश किए जाने के मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे पत्र में स्टालिन ने उनसे (कार्यकर्ताओं) राज्य में अगले साल पार्टी को जीत दिलाने के लिए सक्रिय रूप से काम करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि पार्टी के इन चार साल के शासन में उसने एक कल्याणकारी सरकार की तरह काम किया है और यही बात आगामी चुनाव में द्रमुक की जीत सुनिश्चित करेगी।

स्टालिन ने पत्र में बिना किसी का नाम लिए कहा, ''जिन्होंने अवसरवादी गठबंधन बनाया और तमिलनाडु को बार-बार धोखा दिया तथा उनके चतुर सहयोगी जो द्रमुक की हार देखने के लिए बेताब हैं, लोग उन्हें अपने समीकरणों से गलत साबित कर देंगे।'' उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से जनता तक पहुंचने और अनेक सार्वजनिक बैठक कर द्रमुक सरकार की उपलब्धियों को उजागर करने का आह्वान किया है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि 2021 के चुनाव से पहले किए गए 505 वादों में से अधिकांश को पूरा कर दिया गया है और बाकी को भी जल्द ही पूरा कर दिया जाएगा। वह (स्टालिन) इस बारे में ''दृढ़ प्रतिज्ञ'' हैं।

उच्चतम न्यायालय ने विधायक के रूप में ए राजा का निर्वाचन रद्द करने संबंधी फैसला निरस्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केरल उच्च न्यायालय के उस फैसले को मंगलवार को खारिज कर दिया जिसमें इडुक्की जिले की देवीकुलम विधानसभा सीट से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता ए. राजा का निर्वाचन रद्द कर दिया गया था। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने उच्च न्यायालय के 23 मार्च, 2023 के आदेश के खिलाफ राजा द्वारा दायर अपील स्वीकार कर ली।

पीठ ने कहा, उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय निरस्त किया जाता है और चुनाव याचिका खारिज की जाती है। अपीलकर्ता पूरी अवधि के लिए विधानसभा के सदस्य के रूप में सभी परिणामी लाभों का हकदार है।

शीर्ष अदालत ने पिछले साल 26 सितंबर को राजा की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे कांग्रेस नेता डी. कुमार ने आरोप लगाया था कि राजा अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के लिए सुरक्षित देवीकुलम सीट से चुनाव लड़ने के पात्र नहीं थे। न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने राजा और कुमार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता वी गिरि तथा नरेन्द्र हुड्डा की दलीलें सुनी थीं। शीर्ष अदालत केरल उच्च न्यायालय के 20 मार्च, 2023 के आदेश के खिलाफ राजा द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

राजा ने दलील दी थी कि वह केरल राज्य के हिंदू पारायण समुदाय से हैं और तहसीलदार, देवीकुलम द्वारा जारी जाति प्रमाणपत्र भी इसकी पुष्टि करता है। उन्होंने यह भी दलील दी कि चुनाव अधिकारी ने दाखिल नामांकन पत्र पर कुमार द्वारा की गई आपत्ति को खारिज करके सही किया।

माकपा नेता ने यह भी दावा किया कि उनके माता-पिता ने कभी ईसाई धर्म नहीं अपनाया, उनका कभी बपतिस्मा नहीं हुआ, उनकी पत्नी हिंदू है और उनका विवाह हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ था, जिसमें पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित करना और उनकी पत्नी के गले में 'थाली' बांधना शामिल था। कुमार ने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि राजा एक ईसाई हैं और उनका पर्वतीय जिले में सीएसआई चर्च में बपतिस्मा हुआ है तथा उन्होंने यह साबित करने के लिए फर्जी प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है कि वह अनुसूचित जाति समुदाय से हैं।

कुमार को 2021 के चुनाव में राजा ने 7,848 मतों के अंतर से हराया था। कुमार ने यह भी दावा किया था कि माकपा नेता की पत्नी भी ईसाई हैं और उनका विवाह ईसाई धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ था।

कांग्रेस नेता की दलीलों से सहमति जताते हुए उच्च न्यायालय ने कहा था कि राजा द्वारा अपने विवाह और समारोह के संबंध में दिए गए टालमटोल भरे जवाबों से यह स्पष्ट है कि उनकी ओर से सच्चाई को छिपाने का ''जानबूझकर प्रयास'' किया गया।

अदालत ने कहा कि उनके और उनकी पत्नी द्वारा पहने गए कपड़े ईसाई विवाह के संकेत हैं। इसने यह भी कहा था कि उसके सामने रखे गए सभी दस्तावेज पर्याप्त रूप से यह दर्शाते हैं कि प्रतिवादी (राजा) वास्तव में उस समय ईसाई धर्म को मानते थे जब उन्होंने अपना नामांकन दाखिल किया था और नामांकन दाखिल करने से बहुत पहले ही उन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया था।

अदालत ने कहा था, ''इस तरह, धर्म परिवर्तन के बाद, वह हिंदू धर्म का सदस्य होने का दावा नहीं कर सकते। इस आधार पर भी, चुनाव अधिकारी को उनका नामांकन खारिज कर देना चाहिए था।'' इसने यह भी कहा था कि माकपा नेता यह दिखाने और साबित करने में पूर्णतया विफल'' रहे कि उनके पूर्वज (दादा-दादी) भारत के राष्ट्रपति द्वारा 1950 के आदेश की घोषणा से पहले केरल में आकर बस गए थे, जिसके द्वारा केरल में हिंदू पारायणों को अनुसूचित जाति समुदाय का हिस्सा घोषित किया गया था।

अदालत ने कहा था, संक्षेप में, दोनों आधारों पर यह स्पष्ट है कि प्रतिवादी केरल राज्य में 'हिंदू पारायण' के सदस्य नहीं हैं और विधानसभा में देवीकुलम निर्वाचन क्षेत्र की सीट पर चुने जाने के योग्य नहीं हैं, जो अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। इसने कहा था, ...अतः वर्ष 2021 में उक्त निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचित उम्मीदवार के रूप में प्रतिवादी (राजा) का निर्वाचन जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 98 के अंतर्गत अमान्य घोषित किया जाता है।

सुंदरम होम फाइनेंस का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत बढ़कर 71.57 करोड़ रुपये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सुंदरम होम फाइनेंस का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत बढ़कर 71.57 करोड़ रुपये रहा। सुंदरम होम फाइनेंस की ओर से मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, कंपनी का पिछले वर्ष की इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 56.80 करोड़ रुपये रहा था। सुंदरम फाइनेंस लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी का समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध लाभ चार प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 244.66 करोड़ रुपये रहा।

वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के प्रबंध निदेशक डी. लक्ष्मीनारायणन ने कहा, छोटे शहरों में गहरी पैठ बनाने की हमारी विकास रणनीति के अनुरूप, हमने पिछले वर्ष विस्तार के लिए मझोले तथा छोटे शहरों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा, ''अपने परिचालन के 25वें वर्ष में, हम छोटे शहरों में अपनी पहुंच और देश भर में अपने शाखा नेटवर्क का विस्तार करने से करीब 30 प्रतिशत की मजबूत संवितरण वृद्धि दर्ज करने में सक्षम हुए हैं।'' इस बीच, सुंदरम होम फाइनेंस ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अपनी वृद्धि में तेजी लाने के लिए 6,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने की योजना की जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जुटाई जाने वाली प्रस्तावित धनराशि एनएचबी से पुनर्वित्त, बैंक ऋण, डिबेंचर' और सावधि जमा के मिश्रण के माध्यम से होगी।

कॉपीराइट मामले में रहमान और 'पोन्नियिन सेलवन 2' के निर्माताओं के खिलाफ अंतरिम आदेश पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को संगीतकार एआर रहमान और फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन 2' के निर्माताओं के खिलाफ एक संगीत रचना को लेकर कॉपीराइट मामले में जारी अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति सी हरि शंकर और न्यायमूर्ति अजय दिगपॉल की खंडपीठ ने रहमान एवं फिल्म के निर्माताओं को एकल पीठ के निर्देशानुसार 10 दिनों के भीतर रजिस्ट्री में दो करोड़ रुपये जमा करने का निर्देश दिया।

उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने 25 अप्रैल को अंतरिम आदेश में जूनियर डागर बंधुओं- दिवंगत उस्ताद एन फैयाजुद्दीन डागर और दिवंगत उस्ताद जहीरुद्दीन डागर- को संगीत रचना का उचित श्रेय देने के लिए सभी ओटीटी और ऑनलाइन मंचों पर फिल्म में एक तस्वीर डालने का भी आदेश दिया था। खंडपीठ ने इस निर्देश पर भी रोक लगा दी।

रहमान की स्थगन याचिका और एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर अब 23 मई को सुनवाई होगी। एकल न्यायाधीश ने दो लाख के जुर्माने की राशि दिवंगत कलाकारों के परिजनों को देने का आदेश दिया था।

एकल पीठ ने अंतरिम आदेश में एक श्रोता के दृष्टिकोण से फैसला सुनाया था कि फिल्म में रहमान के गीत वीरा राजा वीरा' का मूल स्वर, भावना और प्रभाव न केवल 'शिव स्तुति' से प्रेरित है बल्कि वास्तव में उसके समान ही है।

आदेश के मुताबिक, यह भगवान शिव को समर्पित संगीतमय श्रद्धांजलि के मूल रचनाकारों के अधिकारों का उल्लंघन है। फैयाजुद्दीन डागर के बेटे और जहीरुद्दीन डागर के भतीजे उस्ताद फैयाज वसीफुद्दीन डागर ने मुकदमे में दलील दी कि उनके पास जूनियर डागर बंधुओं की सभी मूल रचनाओं का 'कॉपीराइट' है, जिसमें 'शिव स्तुति' भी शामिल है और इसका प्रतिवादियों ने अवैध रूप से उल्लंघन किया है।

रहमान, 'मद्रास टॉकीज' और लाइका प्रोडक्शंस को मुकदमे के अंतिम नतीजे तक के लिए अदालत में दो करोड़ रुपये जमा कराने का आदेश दिया गया था, जिसे सावधि जमा के रूप में रखा जाएगा। रहमान के वकील ने अदालत में दलील थी कि 'शिव स्तुति' पारंपरिक ध्रुपद शैली पर आधारित है, जो सार्वजनिक है और चूंकि गाना गाने का तरीका और रचना मूल नहीं थी, इसलिए यह याचिका 'कॉपीराइट' संरक्षण के योग्य नहीं है।

केरल, तमिलनाडु के साथ मिलकर रोकी गयी केंद्रीय निधि की मांग करेगा : मंत्री शिवनकुट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार में सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार ने विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत राज्य के लिए निर्धारित 1,500.27 करोड़ रुपये रोक रखे हैं। शिवनकुट्टी ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र ने धन जारी नहीं किया, क्योंकि केरल ने पीएम श्री योजना ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। मंत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ हुई बैठक के दौरान इस मामले को उठाया था।

शिवनकुट्टी ने कहा, उन्होंने (प्रधान ने) हमें मौखिक रूप से यह बताया था, लेकिन वे हमें लिखित में नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह तमिलनाडु के साथ मिलकर केंद्र के समक्ष इस मामले को उठाने के लिए जल्द ही पड़ोसी राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन से मिलेंगे।

शिवनकुट्टी ने कहा, हम इस मुद्दे को तमिलनाडु के साथ संयुक्त रूप से उठाने की योजना बना रहे हैं, क्योंकि वे भी इसी समस्या का सामना कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि केरल सरकार लंबित निधि की प्राप्ति के लिए महाधिवक्ता से कानूनी विकल्प तलाशने पर भी विचार कर रही है।

केरल के मंत्री ने श्री नारायण गुरु की शिक्षाओं को पाठ्यपुस्तकों से हटाए जाने के दावे को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने मंगलवार को इन दावों को निराधार करार देते हुए खारिज कर दिया कि राज्य में संशोधित स्कूली पाठ्यपुस्तकों से समाज सुधारक श्री नारायण गुरु की शिक्षाओं को हटा दिया गया है।

एक बयान में उन्होंने कहा कि आरोप लगाने वालों को ऐसे दावे करने से पहले संशोधित पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा करने के लिए समय निकालना चाहिए। मंत्री ने कहा कि पाठ्यपुस्तकें केरल की सांस्कृतिक परंपराओं, सांस्कृतिक पुनर्जागरण आंदोलनों के योगदान और पुनर्जागरण नेताओं के लेखन को समान महत्व देते हुए तैयार की गई हैं।

उन्होंने कहा कि पाठ्यपुस्तक संशोधन के अगले चरण में उनकी शिक्षाओं के और अधिक अंश शामिल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जो लोग देश के इतिहास को कलंकित करने वाले केंद्र सरकार के भगवाकरण के प्रयासों के बारे में चुप रहे, वे अब केरल में निराधार बयान दे रहे हैं।

शिवनकुट्टी ने यह भी कहा कि यह वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के नेतृत्व वाली सरकार ही थी जिसने समाज में श्री नारायण गुरु की शिक्षाओं और दर्शन के प्रसार के लिए उनके नाम पर एक विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। मंत्री ने कहा कि इसलिए राज्य के लोग इसके खिलाफ किसी भी दुष्प्रचार को खारिज कर देंगे।

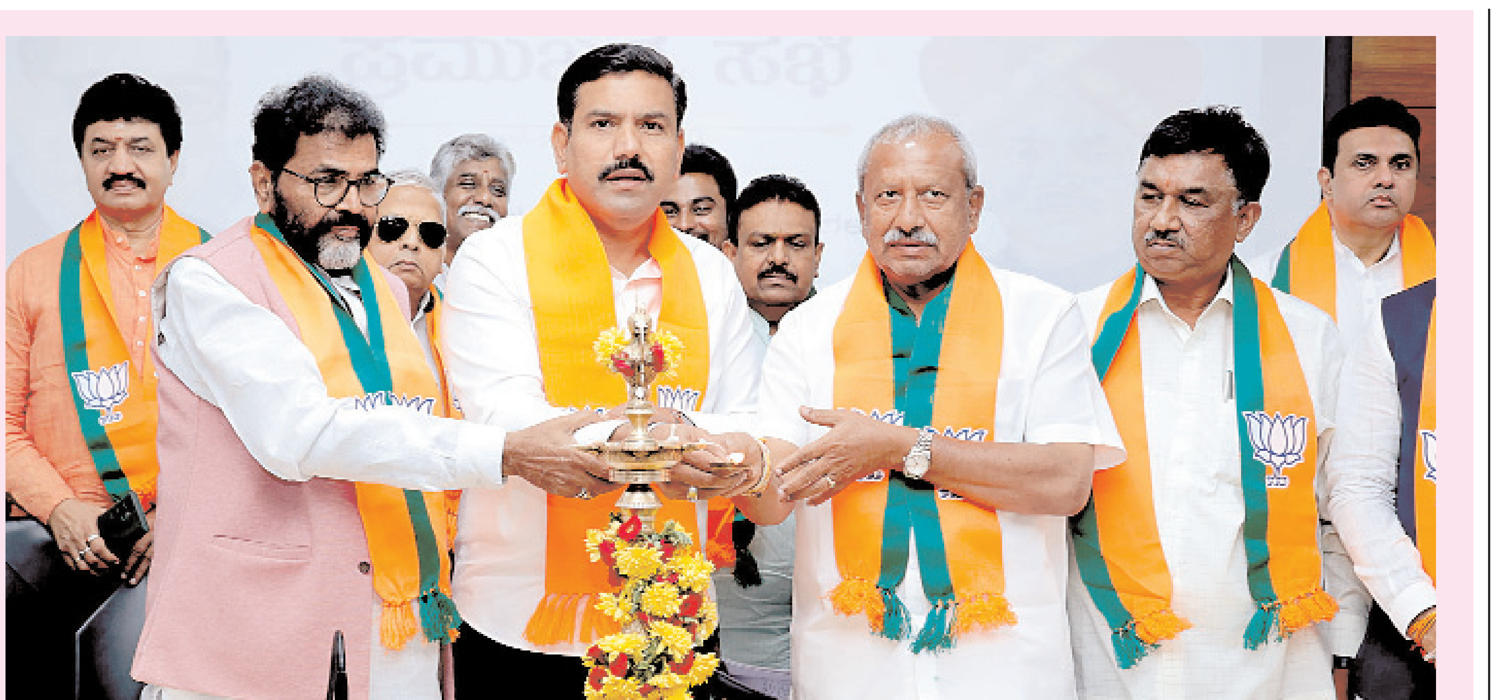

भाजपा कार्यालय में राज्य पिछड़ा वर्ग के नेताओं की बैठक

भाजपा के लिए अच्छे इरादे, कांग्रेसियों की साजिश : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष एव विधायक विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी की सरकार जाति जनगणना के माध्यम से एक समतामूलक समाज के निर्माण का सपना देखती है वहीं जाति जनगणना को लेकर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की मंशा अच्छी नहीं है। वे मंगलवार को मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में आयोजित राज्य के पिछड़ा वर्ग के नेताओं की बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना को लेकर कांग्रेसियों की दुर्भावना है। कांग्रेस और सिद्दरामय्या की जातियों के बीच दरार पैदा करने की साजिश है; हालांकि, उन्होंने विश्लेषण किया कि भाजपा और मोदीजी का कयाक समुदायों को सशक्त बनाने के लिए काम करने का अच्छा इरादा है।

हाल ही में कांग्रेसजन इस बारे में बात कर रहे हैं। कांग्रेसी सिर्फ भाषण दे रहे हैं। विजयेंद्र ने बताया कि मोदीजी ने बिना ज्यादा कुछ कहे यह निर्णय ले लिया, मानो वे ऐसे व्यक्ति हों जो बातें नहीं करते, जो सामान्य से बेहतर हैं। देश के सामाजिक, शैक्षणिक और व्यावसायिक रूप से पिछड़े समुदायों को न्याय दिया जाना चाहिए। 12वीं शताब्दी में अन्ना बसवन्ना ने एक समान समाज का सपना देखा था। उन्होंने बताया कि मोदी जी ने अच्छे इरादे से यह अच्छा निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि हमें कांग्रेस के बुरे इरादों और भाजपा के अच्छे इरादों के बारे में जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। उन्होंने पिछली कैबिनेट बैठक में जनगणना के साथ-साथ जातिगत जनगणना कराने का महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए मोदी जी को बधाई दी।

सिद्दरामय्या ने कर्नाटक में जाति जनगणना शुरू की लेकिन इसके कार्यान्वयन में देरी की। विजयेन्द्र ने पिछले दो वर्षों में कांताराजू रिपोर्ट को तार्किक निष्कर्ष तक नहीं ले जा पाने के लिए उनकी आलोचना की। जबकि अन्य राज्यों ने यह उपलब्धि सिर्फ एक वर्ष में हासिल कर ली। सिद्दरामय्या 10 वर्षों में भी ऐसा नहीं कर पाए। उन्होंने आपत्ति जताई कि इस देरी का कारण पिछड़े समुदायों को न्याय प्रदान करने की अच्छी मंशा का अभाव है।

कार्यक्रम में विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व मंत्री एवं सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी, राज्य महासचिव एवं विधायक वी. सुनील कुमार, विधान परिषद विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, विधानसभा में विपक्ष के मुख्य सचेतक दोड्डनगौड़ा पाटिल, राज्य उपाध्यक्ष एवं विधायक भैरती बसवराज, विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि, सांसद पी.सी. मोहन, यदुवीर वॉडियार, विधान परिषद सदस्य एम.जी. मुले, विधायक दिनाकर शेट्टी, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रघु कौटिल्य, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक धीरज मुनिराजू, पूर्व मंत्री कट्टा सुब्रह्मण्य नायडू, प्रमोद माधवराज, ओबीसी मोर्चा के तत्काल पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एन.एल. नरेन्द्र बाबू, पूर्व विधान परिषद सदस्य श्रीमती तारा अनुराधा और पार्टी नेता उपस्थित थे।

सिद्दरामय्या के खिलाफ 'अपमानजनक' वीडियो बनाने के आरोप में मैसूरु केंद्रीय कारागार का वार्डर निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ दुर्व्यवहार करने वाला वीडियो रिकॉर्ड करने और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में मैसूरु केंद्रीय कारागार के एक वार्डर को निलंबित कर दिया गया है। जेल के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वार्डर एच. एन. मधु कुमार (45) एक पूर्व सैनिक है और पिछले चार वर्षों से जेल विभाग में कार्यरत हैं।

अधिकारियों के अनुसार, कुमार ने अपने आवास पर रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में मुख्यमंत्री पर निशाना साधा और बेलगावी में 28 अप्रैल को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर एक पुलिस अधिकारी के प्रति उनके गुस्से भरे हाव-भाव की निंदा की। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। मैसूरु केंद्रीय कारागार के अधीक्षक बी. एस. रमेश ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह मामला सामने आते ही वार्डर को कदाचार के आरोप में सोमवार शाम को ड्यूटी से निलंबित कर दिया गया। कुमार ने 28 अप्रैल को रिकॉर्ड किए गए वीडियो में कई मुद्दों पर मुख्यमंत्री की आलोचना की, एमयूडीए भूमि आवंटन घोटाले (जिसमें सिद्दरामय्या की पत्नी कथित तौर पर शामिल हैं) को उजागर किया और दावा किया कि मुख्यमंत्री के गृह जिले मैसूरु में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

सोनू निगम ने बेंगलूरु कॉन्सर्ट विवाद पर माफी मांगी, कहा - सॉरी कर्नाटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। मशहूर गायक सोनू निगम ने हाल ही में बेंगलूरु के एक कॉलेज में कार्यक्रम के दौरान दिए गए अपने बयान पर माफी मांगी है। सोनू निगम ने सोमवार शाम को अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'सॉरी कर्नाटक। मेरा प्यार आपके लिए, मेरे अहं से बड़ा है। हमेशा आपसे प्यार करता रहूंगा।' यह विवाद 25 अप्रैल को उस समय शुरू हुआ, जब सोनू निगम बेंगलूरु के एक कॉलेज में प्रस्तुति दे रहे थे। अपने एक वीडियो में गायक ने बताया कि कुछ लड़कों ने उन्हें कन्नड़ भाषा में गाने के लिए धमकाया था।

इसके जवाब में उन्होंने कहा था, कन्नड़, कन्नड़... यही वजह है पहलगाम वाली घटना की।

उनके इस बयान को कई लोगों ने आपत्तिजनक बताया। बेंगलूरु के अवलाहल्ली पुलिस थाने में तीन मई को सोनू निगम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सोमवार को कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स ने गायक के खिलाफ 'असहयोग' अभियान की घोषणा करते हुए कहा कि उनके बयान से कन्नड़ लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै उत्तर, यूनियन बैंक भवन, नं139, द्वितीय तल, ब्रॉडवे (प्रकाशम सालै)
पट्टे पर परिसर की आवश्यकता
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को बैंकिंग प्रयोजन हेतु अलवर थिरुनगर, **अलवर थिरुनगर वलसरवाक्कम** में अधिमानत भूतल पर **1800-2200 वर्ग** फीट कालीन क्षेत्र के लिए तैयार स्थिति में एक उपयुक्त परिसर की आवश्यकता है, जो अधिमानतः हमारे वर्तमान **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, वलसरवाक्कम शाखा, नं 115, आर्काट रोड, वलसरवाक्कम, चेन्नै-600087** से 500 मी के अंदर हो।
भावी विक्रेता जो स्वामित्व रखते हैं या परिसर के मालिक की ओर से बातचीत करने का अधिकार रखते हैं, वे कार्यालय समय के दौरान **07.05.2025 (बुधवार)** से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, वलसरवाक्कम शाखा/क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै उत्तर से तकनीकी बोली एवं मूल्य बोली के फार्मेट प्राप्त करें या वेबसाइट **www.unionbankofindia.co.in or https://eprocure.gov.in** से डाउनलोड करें और अपनी तकनीकी बोलियों तथा मूल्य बोलियों को, दो अलग-अलग मुहरबंद लिफाफे में डालकर, उसके ऊपर तकनीकी/मूल्य बोली लिखकर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै उत्तर (ब्रॉडवे क्षेत्रीय कार्यालय), सं. 139, प्रकाशम सालै, ब्रॉडवे, द्वितीय तल, चेन्नै-600 108 को दिनांक **22.05.2025 (गुरुवार)** के दोपहर **3.00 बजे** तक या उससे पहले प्रस्तुत करें। विक्रेता/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में, उपरोक्त पते पर, **22.05.2025 (गुरुवार)** को शाम **3.30 बजे** तकनीकी बोलियां खोली जाएगीं। कृपया दलाल या मध्यवर्ती संस्थाएं भाग न लें। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या सरकारी/अर्ध सरकारी निकायों द्वारा पट्टे पर दी जानेवाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। बिना कोई कारण बताए, बोलियों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार बैंक रखता है। **संपर्क विवरण: 9985116190, 9321420852**
उप महा प्रबन्धक

अच्छी शिक्षा एवं उत्तम बौद्धिक क्षमता से ही विकसित भारत की संकल्पना होगी साकार होगी : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/कोटपूतली-बहरोड़। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा है कि प्रत्येक पात्र तक केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचे, आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े एवं काश्तकार एवं पशुपालकों को योजनाओं की जानकारी देकर उनकी आमदनी में बढ़ोत्तरी कर विकास की मुख्य धारा से जोड़ना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बागड़े मंगलवार को डायकीन जापनिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग एक्सीलेंस (डीजेआसईएमई) नीमराना में कोटपूतली-बहरोड़ के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि शिक्षक विद्यार्थियों के किताबी ज्ञान के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करे, इसी से उनका सर्वांगीण विकास संभव है।

उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है। उन्होंने देश के विद्वानों का उल्लेख करते हुये कहा कि भारत विश्वगुरु रहा है, यहां के प्राचीन ग्रंथो ने विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में हजारों साल पहले ही वो ज्ञान दिया है जिसे लेकर आज के वैज्ञानिक भी चकित हैं। उन्होंने नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए नीति के तहत 3 साल से अधिक उम्र के बच्चों का नामांकन करते हुए शिक्षा से जोड़ने को कहा। उन्होंने जिले में ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों को पुन: शिक्षा से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। बागड़े ने मनरेगा के तहत किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी लेकर मजदूरों को रोजगार उपलब्ध करवाते हुए सर्वांगीण विकास हेतु संवेदनशीलता से कार्य करने, अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, ग्रामीण क्षेत्रों में खेल स्टेडियम, सामुदायिक भवन, जोहड़ आदि का निर्माण करते हुए विकास को गति देने को कहा। उन्होंने पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए जनजाति वर्ग, घुमंतू व अर्ध-घुमंतू समुदायों को पात्रता अनुसार मय शौचालय आवास उपलब्ध कराने को कहा, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत दूर-दराज तक ढाणियों व छोटी बस्तियों को सड़कों से जोड़ने, जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक घर तक नल द्वारा जल पहुंचाने, कम भू- जल स्तर वाले क्षेत्रों में पीएम कृषि सिंचाई योजना से सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराने सहित पीएम कुसुम योजना व पीएम सूर्य घर योजना से अधिकाधिक लोगों को जोड़ते हुए सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। बागड़े ने कृषि अधिकारी को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के लाभों के बारे में किसानों को जानकारी देते हुए स्वयं किसानों द्वारा मृदा की जांच कराने के लिए लैब में सैंपल भिजवाने के लिए जागरूक करने को कहा।

उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि योजना, नेशनल हेल्थ मिशन, महिला एवं बाल विकास विभाग , खनन विभाग, उद्योग विभाग सहित डेयरी विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर पात्रों तक लाभ पहुंचाने के लिए विशेष कार्य योजना के साथ कार्य करने को कहा। बैठक में जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने पीपीटी के माध्यम से विभागवार प्रगति की जानकारी दी।

राजस्थान के कई इलाकों में बारिश, अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीते 24 घंटे में राजस्थान के कुछ हिस्सों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। तेज हवाओं के कारण सोमवार दोपहर पाली में चलती मालगाड़ी से चार खाली कंटेनर गिर गए। सोमवार रात को आए आंधी के कारण बांसवाड़ा में कई पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में मेघ गर्जन के साथ हल्की मध्यम बारिश एवं आंधी का दौर अगले 4-5 दिन जारी रहने की संभावना है।

विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह तक के 24 घंटों के दौरान राज्य के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 56 मिलीमीटर बारिश वल्लभनगर (उदयपुर) में दर्ज की गई। इस दौरान राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान चूरू में 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.2 डिग्री कम है। वर्तमान में आंधी-बारिश के प्रभाव से अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 36 डिग्री दर्ज किया जा रहा है, जो सामान्य से पांच से 15 डिग्री सेल्सियस तक कम है।

इसके अनुसार, आज भी वायुमंडीय परिसंचरण राज्य के ऊपर बना हुआ है। इसके प्रभाव से आगामी 2-3 दिन दक्षिणी राजस्थान के उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में तेज मेघ गर्जन होने एव 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने तथा कहीं-कहीं भारी बारिश दर्ज होने की संभावना है। आज जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर संभाग में भी कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश व मेघगर्जन होने की संभावना है। इसी तरह राज्य के दक्षिणी पूर्वी व पश्चिमी भागों में अगले 4-5 दिन मेघगर्जन के साथ हल्की मध्यम बारिश व आंधी का दौर जारी रहने की संभावना है। आंधी-बारिश में 12-13 मई से कमी आने तथा तापमान में तीन से पांच डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है।

पाली में सोमवार दोपहर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर आंधी के कारण चलती मालगाड़ी से चार खाली शिपिंग कंटेनर गिर गए। मारवाड़ जंक्शन रेलवे पुलिस थाने के सहायक निरीक्षक देवाराम ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और कंटेनरों को रेललाइन से दूर रखा गया है। उन्होंने बताया कि तेज हवाओं के कारण यह घटना हुई। बांसवाड़ा में सोमवार रात अंधड़े के कारण कई पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। जिला कलेक्टर इंद्रजीत सिंह यादव ने समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यकतानुसार राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

लू-तापघात प्रबंधन के लिए आरएमएससीएल का सघन निरीक्षण अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में लूतापघात की स्थितियों के दृष्टिगत दवाओं की निर्बाध एवं समुचित आपूर्ति तथा चिकित्सा उपकरणों की क्रियाशीलता को लेकर राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की ओर से ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए 27 टीमों का गठन किया गया है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेश में लूतापघात की स्थितियों में आमजन के स्वास्थ्य को लेकर पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों की अनुपालना में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से लूतापघात से बचाव एवं उचपार आदि के संबंध में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि ने बताया कि राज्य में हीटवेव की सम्भावनाओं को देखते हुए ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा।

निगम में कार्यरत विशेषाधिकारी, समस्त कार्यकारी निदेशक, लेखाधिकारी तथा जिला औषधि भण्डार गृह के प्रभारी अधिकारी को जिलों का आवंटन कर यह निरीक्षण करवाए जाएंगे। इसके लिए दो सदस्यीय 27 टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें निरीक्षण कर जिले में औषधियों, उपकरणों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता को लेकर 30 मई, 2025 तक अपनी विस्तृत रिपोर्ट देंगी।

समस्त टीमों द्वारा न्यूनतम एक भण्डार गृह, एक जिला चिकित्सालय एवं एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया जाएगा। समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आवंटित जिलों में न्यूनतम 2 दिवस तक गहन परीक्षण किया जाना सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण में सम्भाग स्तर पर कार्यरत बायोमेडिकल इंजीनियर, संबंधित प्रभारी अधिकारी एवं फार्मासिस्ट भी सहयोग प्रदान करेंगे।

गृह मंत्रालय का आज मॉक ड्रिल का निर्देश

राजस्थान समेत सभी प्रदेशों में आपातकालीन तैयारियों की होगी देशभर में समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद बढ़ते भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 7 मई को मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह मॉक ड्रिल देशभर में आपातकालीन स्थितियों से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए की जा रही है। राज्य के चीफ सेक्रेट्री सुधांश पंत को प्राप्त गृह मंत्रालय के जनरल फ़ायर सर्विस, सिविल डिफ़ेंस एंड होम गार्ड और सिविल डिफ़ेंस महानिदेशालय द्वारा 5 मई को जारी आदेश की प्रति के अनुसार, यह मॉक ड्रिल देशभर के 244 चिन्हित सिविल डिफ़ेंस जिलों में आयोजित की जाएगी। यह आदेश राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को भेजा गया है।

मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि आपात स्थिति में आम नागरिक, सरकारी एजेंसियां, स्कूल-कॉलेज, और सुरक्षा बल किस तरह प्रतिक्रिया देंगे। यह ड्रिल आतंकी हमले, हवाई हमले, प्राकृतिक आपदा या आगजनी जैसी परिस्थितियों में त्वरित और समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए की जाती है।

गृह मंत्रालय के पत्र के अनुसार, यह अभ्यास शहरी और ग्रामीणदोनों स्तरों पर किया जाएगा। इसमें हवाई हमले की चेतावनी प्रणाली की जांच, कंट्रोल रूम की सक्रियता, आम नागरिकों और छात्रों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की प्रक्रिया, और अंधेरे में बचाव कार्यों की तैयारी को परखा जाएगा। इस मॉक ड्रिल में डिस्ट्रिक्ट कंट्रोलर, ज़िला प्रशासन, सिविल डिफ़ेंस वॉलंटियर्स, होम गार्ड्स, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र संगठन और शैक्षणिक संस्थानों के छात्र भाग लेंगे। कुछ क्षेत्रों में सभी लाइटें बंद रखने जैसे आदेश भी दिए जा सकते हैं, ताकि वास्तविक आपात स्थिति का अभ्यास किया जा सके।

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव तेजी से बढ़ा है। इसके जवाब में भारत ने कई कड़े कदम उठाए हैं, जिनमें पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंधों को निलंबित करना, सिंधु जल समझौते पर पुनर्विचार, और पाकिस्तान से आने-जाने वाले सभी आयात-निर्यात को रोकना शामिल है। वहीं, पाकिस्तान ने भी जवाबी कदम उठाते हुए भारतीय एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है, वाघा सीमा सील कर दी है, और भारतीय नागरिकों के वीज़ा रद्द कर दिए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि जो भारत की ओर आँख उठाएगा, उसे मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। हालांकि उन्होंने पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान को वर्तमान हालात के संदर्भ में देखा जा रहा है। भारत सरकार द्वारा आयोजित यह मॉक ड्रिल न केवल एक सुरक्षा अभ्यास है, बल्कि यह यह संकेत भी है कि देश किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहता है। यह कदम देश की आतंरिक सुरक्षा को मजबूत करने और नागरिकों को जागरूक करने के लिए अहम माना जा रहा है।

होटल में नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर महिला से दुष्कर्म

बीकानेर। शहर के कोटगेट थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का गंभीर मामला सामने आया है। जोधपुर निवासी पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि आरोपी ने न सिर्फ उसके साथ दुष्कर्म किया, बल्कि उसके अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर उसे बार-बार ब्लैकमेल करता रहा। विरोध करने पर उसने फोटो-वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस के अनुसार पीड़िता की मुलाकात रामनिवास वाल्मीकि नामक युवक से सोशल मीडिया पर हुई थी। फ्रेंड रिक्रेस्ट से शुरू हुई बात धीरे-धीरे फोन कॉल्स तक पहुंच गई। अक्टूबर 2024 में आरोपी ने उसे बीकानेर बुलाया और यह कहकर कि वह शहर घुमाएगा, उसे एक होटल में ले गया। होटल का कमरा पहले से ही आरोपी के दोस्त के नाम पर बुक था। कमरे में पहुंचते ही आरोपी ने महिला को अपने बैग से निकालकर कोल्ड ड्रिंक दी।

भ्रष्टाचार में फंसे बाप विधायक के दो अन्य साथी गिरफ्तार, जमीन में गाड़े रिश्वत के 20 लाख रुपए एसीबी ने किए बरामद

जयपुर। राजस्थान के बागीदौरा (बांसवाड़ा) से भारत आदिवासी पार्टी के विधायक जयकृष्ण पटेल पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो ने विधायक से जुड़ी रिश्वत की रकम20 लाख रुपएको जयपुर स्थित एक घर की जमीन में दबा हुआ बरामद किया है। यह पैसा कथित तौर पर पटेल ने रिश्वत के रूप में लिया था, जिसे उन्होंने अपने भांजे और फिर अन्य रिश्तेदारों के जरिए छिपाने की कोशिश की।

-उइ ने 4 मई को जयकृष्ण पटेल के सरकारी आवास पर छापा मारा था। इस दौरान एक व्यक्ति वहाँ से रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गया। इसके बाद -उइ ने मोबाइल सर्विलांस की मदद से विधायक के रिश्तेदार जसवंत को पकड़ा। पूछताछ में जसवंत ने खुलासा किया कि उसने वह रकम जयपुर के प्रतापनगर स्थित इंदिरा गांधी नगर में रहने वाले अपने परिचित जगराम को दे दी थी। टीम ने जसवंत को साथ लेकर जगराम के घर पर दबिश दी, जहां जमीन खोदकर 20 लाख रुपए बरामद किए गए। पूछताछ में पता चला कि पैसे विधायक ने पहले अपने भांजे रोहित को सौंपे थे। रोहित ने जसवंत को कहा कि जगराम को यह रकम दे दे और उसे कहीं सुरक्षित छिपा दे। जगराम और जसवंत ने मिलकर पैसे को जमीन में गाड़ दिया। सोमवार को -उइ की टीम जयकृष्ण पटेल को जयपुर स्थित भ्रष्टाचार निरोधक अदालत में पेश करने ले गई।

कई संगठनों ने माउंट आबू का नाम बदलने के प्रस्ताव का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू का नाम बदलकर 'आबूराज तीर्थ' करने और यहां मांसाहारी भोजन तथा शराब पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव का विरोध तेज हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे शहर की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। स्वायत शासन विभाग की ओर से 25 अप्रैल को नगर परिषद आयुक्त को लिखे पत्र में माउंट आबू का नाम बदलकर 'आबूराज तीर्थ' करने तथा खुले में मांस-मदिरा पीने पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में आयुक्त से 'तथ्यात्मक टिप्पणी' मांगी गई है। उल्लेखनीय है कि माउंट आबू के धार्मिक महत्व को देखते हुए पिछले साल अक्टूबर में नगर परिषद की बोर्ड बैठक में इसका नाम बदलकर 'आबूराज तीर्थ' करने का प्रस्ताव पारित किया गया था। यह प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा गया और अभी वहां लंबित है। इसके बाद राज्य में सत्ताधारी पार्टी के कई विधायकों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर माउंट आबू के धार्मिक महत्व को देखते हुए इसका नाम बदलने तथा खुले में मदिरापान व मांसाहार पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। स्थानीय व्यापारियों की दलील है कि माउंट आबू को दुनियाभर में इसी नाम से जाना जाता है और नाम बदलने से भ्रम की स्थिति पैदा होगी। उनका कहना है कि साथ ही मांसाहारी भोजन व शराब पर प्रतिबंध लगाने से पर्यटकों की संख्या में भारी कमी आएगी। माउंट आबू होटल एसोसिएशन, लघु व्यापार संघ, सिंधी सेवा समाज, वाल्मीकि समाज, मुस्लिम औकाफ कमेटी, नक्की झील व्यापार संस्थान समेत 23 संगठनों ने सोमवार को उपखंड अधिकारी (एसडीएम) डॉ. अंशु प्रिया को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। अधिकारी ने बताया कि प्रस्ताव राज्य सरकार स्तर पर लंबित है। माउंट आबू होटल एसोसिएशन के सचिव सौरभ गंगाडिया ने बताया कि माउंट आबू में रोजाना करीब पांच से छह हजार पर्यटक आते हैं, जिनमें से ज्यादातर पड़ोसी राज्य गुजरात से होते हैं, जहां 'शराबबंदी' है। उन्होंने कहा, ''माउंट आबू की पूरी अर्थव्यवस्था पर्यटन गतिविधियों पर आधारित है और माउंट आबू को 'तीर्थ' घोषित करने तथा शराब और मांस पर प्रतिबंध लगाने से अर्थव्यवस्था नष्ट हो जाएगी।

पीएम कुसुम योजना में 1 हजार मेगावाट ऊर्जा उत्पादन क्षमता का बनाया नया कीर्तिमान : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सूरज भले ही हर दिन पूरब से उदित होता हो लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सौर ऊर्जा का सूर्य निश्चित तौर पर देश के पश्चिमी राज्य राजस्थान में चमक रहा है। सूर्य भगवान की विशेष कृपा से प्रदेश की सुनहरी रेतीली धरती में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, जिनके दोहन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहले दिन से ही निरंतर प्रयासरत हैं।

राजस्थान को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य की दिशा में पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से एक बड़ी कामयाबी मिली है तथा राजस्थान ऐसा अग्रणी राज्य बन गया है जहां इस योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के अन्तर्गत सौर ऊर्जा उत्पादन 1 हजार मेगावाट से अधिक हो गया है। सौर ऊर्जा का उपयोग कर किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति की दिशा में भी राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है जिससे आज प्रदेश में 1 लाख 70 हजार से अधिक किसानों को दिन में बिजली सुलभ होने लगी है।

पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के तहत ही 560 ग्रिड कनेक्टेड विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर 70 हजार से अधिक कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली दी जा रही है। वहीं इस योजना के कम्पोनेंट-बी में लगभग 1 लाख किसानों के कृषि पम्पों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा चुका है।

राज्य द्वारा योजना के सफल क्रियान्वयन को देखते हुए भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुसुम-ए में दो बार में कुल 6 हजार मेगावाट क्षमता के संयंत्रों के अतिरिक्त आवंटन को स्वीकृति दी है तथा कम्पोनेंट-सी में 2 लाख सोलर पम्पों का अतिरिक्त आवंटन किया है। इस प्रकार इस योजना में प्रदेश में लगभग 12 हजार मेगावाट क्षमता के प्लांट स्थापित किए जाने का लक्ष्य रख कार्य किया जा रहा है।

पूर्ववर्ती सरकार के अंतिम तीन सालों में जहां केवल 92 प्लांट ही स्थापित किए जा सके थे। वहीं आज प्रदेश में कम्पोनेंट-सी में लगभग हर दिन औसतन एक नया सौर ऊर्जा संयंत्र ग्रिड से जुड़ रहा है। बीते 6 माह में प्लांटों के क्रियाशील होने की गति में और तेजी आई है। इस अवधि में कम्पोनेंट-ए में 183 मेगावाट क्षमता के 134 तथा कम्पोनेंट-सी में 514 मेगावाट क्षमता के 196 प्लांट स्थापित हुए हैं। यह प्रगति इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि जबसे यह योजना प्रारंभ हुई उसके बाद से ऊर्जा उत्पादन में प्रतिदिन औसतन चार से पांच मेगावाट क्षमता की अतिरिक्त बढ़ोतरी हो रही है।

योजना के तहत यह प्लांट मुख्यतः राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हो रहे हैं जहां कृषि कनेक्शन अधिक संख्या में हैं। खेत के समीप भूमि पर लग रहे अधिकतम 5 मेगावाट क्षमता तक के इन सौर ऊर्जा संयंत्रों से किसानों को खेती से जुड़े कार्यों के लिए दिन में बिजली सुलभ होने लगी है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता के एक नए युग की शुरूआत हुई है। अपनी भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर किसान अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता भी बन रहे हैं जिससे उन्हें आमदनी का एक अतिरिक्त जरिया भी मिला है।

योजना में फीडर लेवल सोलराइजेशन के अन्तर्गत 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशन के लगभग 5 किलोमीटर के दायरे में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाने का प्रावधान है। कंपोनेंट-ए में अधिकतम 2 मेगावाट क्षमता तक तथा कंपोनेंट-सी में अधिकतम 5 मेगावाट क्षमता तक के ग्रिड कनेक्टेड सोलर प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। कंपोनेंट-सी में सौर संयंत्र की स्थापना पर भारत सरकार लागत का अधिकतम 30 प्रतिशत (अधिकतम 1 करोड़ 5 लाख रूपए प्रति मेगावाट) तक अनुदान देती है।

जोधपुर रेलवे स्टेशन पर जल्द मिलेगी विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि देश के ऐतिहासिक रेलवे स्टेशनों में शुमार जोधपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास सूर्यनगरी की समृद्ध विरासत का संरक्षण करते हुए किया जा रहा है और इस महत्वाकांक्षी पुनर्विकास के बाद जोधपुर भव्य रेलवे स्टेशन बन जायेगा तथा, यहां आने वाले प्रत्येक यात्री को हवाई अड्डे जैसी विश्व स्तरीय आधुनिक सुविधा मिलना प्रारंभ हो जाएगी। वैष्णव ने जोधपुर रेलवे स्टेशन के 474 करोड़ रुपए की लागत से कराए जा रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के दौरान मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि जोधपुर रेलवे स्टेशन के सिरे से पुनर्निर्माण का कार्य बेहद महत्वपूर्ण है तथा केंद्र सरकार के इस फैसले से यात्रियों को उच्च स्तरीय सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि जोधपुर रेलवे स्टेशन के विकास में दो बड़े उद्देश्य निहित है, शहर स्टेशन के दोनों ओर बढ़ गया है उसके हिसाब से इसका द्वितीय प्रवेश द्वार अच्छा एवं सुविधायुक्त बनाने की जरूरत थी और यह इस पुनर्विकास का एक बहुत महत्वपूर्ण पार्ट है।

दूसरा शहर के बढ़ते यातायात के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर प्रवेश के लिए एक एलिवेटेड रोड बनाने का प्लान है जिससे आगन्तुकों को पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि इन सब सुविधाओं के साथ ही रेलवे स्टेशन पर एक बहुत अच्छा और सुविधाजनक एयर कोनकोर्स एवं रूफ प्लाजा का निर्माण भी किया जाएगा जिस पर यात्री आराम से बैठकर अपनी ट्रेनों की प्रतीक्षा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के 85 रेलवे स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास कराया जा रहा है।

इस अवसर पर जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने रेल मंत्री को पुनर्विकास से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियां मैप के माध्यम से दी। रेल मंत्री ने इस अवसर पर जोधपुर के भगत की कोठी रेलवे स्टेशन का जिक्र करते हुए कहा कि भगत की कोठी में रेल परियोजनाओं के विस्तार की बहुत जगह और संभावनाएं है और इसके पास विकसित किया जा रहे हैं नए कार्गो टर्मिनल से विशेष कर आसपास के औद्योगिक क्षेत्र को लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि जोधपुर औद्योगिक नगरी है तथा यहां से बहुत उत्पादों का निर्यात होता है, टर्मिनल बनने से सुविधाएं बढ़ेंगी जिससे इंडस्ट्रीज को बढ़ावा मिलेगा।

बाजार की मांग के अनुरूप एमएसएमई इकाइयों को खुद को ढालना होगा : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश की सूक्ष्म, लघु और मझोली (एमएसएमई) इकाइयों को बदलते बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार खुद को निरंतर ढालना (अद्यतन) होगा।

मंगलवार को सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा एमएसएमई केंद्र है, इसलिए इस क्षेत्र से जुड़े युवाओं की क्षमता संवर्धन के लिए ठोस रणनीति अपनाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि 'सीएम-युवा' योजना के अंतर्गत नए उद्यमियों को ऋण देने से पूर्व उन्हें विधिवत और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण अवश्य प्रदान किया जाए।

योगी ने इस क्षेत्र के समग्र विकास, उद्यमिता के विस्तार, रोजगार सृजन और निर्यात वृद्धि के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की एमएसएमई इकाइयां स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को गति देने के साथ-साथ बड़े उद्योगों के लिए एंकर यूनिट के रूप में भी कार्य कर रही हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में लगभग 96 लाख एमएसएमई इकाइयां सक्रिय हैं, जो राज्य के कुल निर्यात में करीब 46 प्रतिशत का योगदान कर रही हैं और 1.65 करोड़ से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल', 'लोकल टू ग्लोबल' और 'ब्रांड यूपी' के मंत्र को साकार करने के लिए एमएसएमई क्षेत्र को रणनीतिक रूप से अधिक सशक्त बनाए जाने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पारंपरिक शिल्पकला, कृषि आधारित उत्पादन और नवाचार पर आधारित उद्यमशीलता को अब वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने का उपयुक्त समय है। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य की योजनाएं युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों और ग्रामीण समाज के आर्थिक सशक्तीकरण को केंद्र में रखकर बनाई जाएं और इनकी सतत निगरानी भी सुनिश्चित हो।

बिहार में 'लाठीमार सरकार', शिक्षक भर्ती परीक्षा मामले की न्यायिक जांच हो : कन्हैया कुमार

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने पटना में शिक्षक भर्ती परीक्षा के पूरक परिणाम जारी करने की मांग को लेकर धरना दे रहे अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज की मंगलवार को निंदा की और आरोप लगाया कि राज्य में ''फर्जी डबल इंजन'' वाली ''लाठीमार सरकार'' है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि लाठीजार्च और शिक्षक भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितता की न्यायिक जांच तथा बीपीएससी का ऑडिट होना चाहिए।

पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सरकारी आवास के पास मंगलवार को शिक्षक भर्ती परीक्षा के पूरक परिणाम जारी करने की मांग को लेकर धरना दे रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-3) के पूरक परिणाम जारी करने की मांग को लेकर एक, अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास के गेट के बाहर प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''पटना में बिहार के अभ्यर्थियों पर पुलिस ने फिर से बर्बर लाठीचार्ज किया है। यह पहला मामला नहीं है। पहले भी कई बार अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किया गया है। यह सब इसलिए भी हो रहा है, क्योंकि डबल इंजन की फर्जी सरकार अहंकार में है।''

शिक्षक भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों का नीतीश कुमार के आवास के पास प्रदर्शन, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सरकारी आवास के पास मंगलवार को शिक्षक भर्ती परीक्षा के पूरक परिणाम जारी करने की मांग को लेकर धरना दे रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई।

प्रदर्शनकारियों ने शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-3) के पूरक परिणाम जारी करने की मांग को लेकर एक, अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास के गेट के बाहर प्रदर्शन किया।

पूरा इलाका उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है और वहां इस तरह के किसी भी प्रदर्शन की इजाजत नहीं है।

बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर राज्य सरकार और परीक्षा आयोजित करने वाले बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के खिलाफ नारेबाजी की।

सचिवालय-1 की अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अनु कुमारी ने प्रदर्शनकारियों से तुरंत क्षेत्र खाली करने का अनुरोध किया, क्योंकि वहां ऐसी गतिविधियां प्रतिबंधित हैं।

जब प्रदर्शनकारियों ने वहां से हटने से इनकार कर दिया तो पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। हालांकि, एसडीपीओ ने पत्रकारों से बात करने से इनकार कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि लाठीचार्ज में कई लोग घायल हुए, जिसे अधिकारियों ने नकार दिया। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों में शामिल कृति दत्त ने बताया कि वे पिछले चार महीने से गर्दनीबाग इलाके में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने मंत्रियों से लेकर सचिवों और विधायकों तक सभी से संपर्क किया, लेकिन किसी ने भी हमें कोई समाधान नहीं दिया।

निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों के साथ शुरू किया संवाद, मायावती से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ व्यापक और नियमित संवाद पर जोर देने की पहल के तहत मंगलवार को यहां बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती के साथ बातचीत की। इस मौके पर बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा और पार्टी कोषाध्यक्ष श्रीधर भी मौजूद थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ निर्वाचन सदन में बसपा नेतृत्व से बात की। यह बैठक विभिन्न हितधारकों के साथ व्यापक और नियमित संवाद को बढ़ावा देने पर चुनाव आयोग के विचार के क्रम में है। चुनाव निकाय ने रचनात्मक चर्चा की लंबे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता को समझते हुए राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर के राजनीतिक दलों के साथ बातचीत शुरू की है। इसके तहत पार्टी प्रमुख अपने सुझाव और चिंताओं को सीधे आयोग के साथ साझा कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा किसी राजनीतिक दल के साथ की गई इस तरह की यह पहली बातचीत है। भाजपा, कांग्रेस, बसपा, आम आदमी पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और नेशनल पीपुल्स पार्टी चुनाव आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल हैं। लगभग 50 क्षेत्रीय मान्यता प्राप्त पार्टियां हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि यह पहल सभी हितधारकों के साथ मौजूदा कानूनी ढांचे के अनुसार चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत करने के आयोग के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है।

किसानों की जमीनें छीन रहे हैं भाजपा के लोग : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा से जुड़े लोग किसानों से जमीन छीन रहे हैं। उन्होंने भाजपा को ''अयोध्या में उसकी हार जैसी चुनावी हार की चेतावनी दी।''

यादव ने झांसी से आये किसानों और मजदूरों के प्रतिनिधिमंडल से पार्टी राज्य मुख्यालय पर मुलाकात करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि विकास और कारोबार के लिए किसानों की जमीन छीनी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की मांग है कि किसानों को बाजार भाव मिलना चाहिए और दबाव बनाकर किसी भी सहमति के कागज पर दस्तखत नहीं कराये जाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी भूमि अधिग्रहण कानून ला रही थी, जिससे किसानों की जमीन छिनी जा सके। उन्होंने आरोप

लगाया ''आज भी भाजपा के लोग ही जमीन छीन रहे हैं।'' यादव ने 2024 के लोकसभा चुनाव में फैजाबाद में भाजपा की हार की ओर परोक्ष तौर पर इशारा करते हुए कहा, ''भारतीय जनता पार्टी को याद रखना चाहिए कि भगवान प्रभु श्रीराम जी की धरती पर जो उन्होंने भेदभाव किया था। अयोध्या के लोगों और गरीबों की जमीन भाजपा के लोगों ने छीनी थी। उसी का परिणाम यह हुआ कि प्रभु श्रीराम जी ने भाजपा को अयोध्या की धरती से चुनाव हरा दिया था और उससे पूरे देश में संदेश गया था कि अब सांप्रदायिक राजनीति का अंत होगा।'' बुंदेलखंड में रक्षा विनिर्माण पर भाजपा के वादों को लेकर उस पर निशाना साधते हुए यादव ने कहा, ''उन्होंने कहा था कि वे इस क्षेत्र में मिसाइल और लड़ाकू विमान बनाएंगे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। मैं झांसी के लोगों से भी कहूंगा कि भाजपा को सबक सिखाएं। पूरे बुंदेलखंड के लोग सबक सिखाएं। आज अगर गोला-बारूद, तोप, गोली और बंदूक बन गये होते तो हमें बाहर से कुछ भी नहीं मांगना पड़ता। हमारे बुंदेलखंड में मिसाइल बन गई होतीं तो हमें रूस से मिसाइल ना मंगवानी पड़ती। दूसरे देशों की तरफ ना देखना पड़ता। सुनने में आ रहा है कि किसी भी जगह पर उन्होंने सुतली बम भी नहीं बनाया है, मगर किसानों की जमीन ले ली।''

यादव ने सुरक्षा जैसे विषय को लेकर भी भाजपा के अंदर कोई गंभीरता नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी को कैसे मालूम है कि जंग होने जा रही है? उन्होंने दावा करते हुए कहा कि भाजपा के मीडिया प्रकोष्ठ से कहा गया है कि वालंटियर चाहिए जो लोगों की मदद करें, आखिर उसे कैसे पता कि जंग होने जा रही है? यह सोचने की बात है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा जैसे विषय को लेकर भी भाजपा के अंदर कोई गंभीरता नहीं है।

जब पाकिस्तान के खिलाफ देश एकजुट तो तुच्छ राजनीति कर रहे हैं हिमंत विश्व शर्मा : गोगोई

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के आरोप को लेकर मंगलवार को उन पर पलटवार करते हुए कहा कि जब पाकिस्तान के खिलाफ पूरा देश एकजुट होकर सरकार के साथ खड़ा है तो शर्मा एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का आईटी प्रकोष्ठ तुच्छ राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। असम के मुख्यमंत्री शर्मा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तानी सेना के साथ अच्छे संबंध हैं। शर्मा ने गुवाहाटी में संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि कोलबर्न ने भारत और पाकिस्तान के बीच 19 बार यात्रा की थी और पड़ोसी देश में पाकिस्तानी सेना के अधिकारी उनके साथ रहे। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गोगोई ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, ''ऐसे समय में जब पूरा देश एकजुट है और पाकिस्तान के खिलाफ प्रयासों में केंद्र सरकार का समर्थन कर रहा है, असम के मुख्यमंत्री एवं भाजपा का आईटी प्रकोष्ठ तुच्छ राजनीति में लिप्त है।''

मिजोरम में 30 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की मैथामैफ्टामाइन गोलियां जब्त

आइजोल/भाषा। मिजोरम के चम्फाई जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास 30.72 करोड़ रुपए मूल्य की मैथामैफ्टामाइन गोलियां जब्त की गई हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने रविवार शाम को गश्त के दौरान वनजाऊ गांव के पास संदेह के आधार पर एक वाहन को रोका और गहन तलाशी के दौरान कार में छिपाकर रखी गईं दो लाख टैबलेट बरामद कीं जिनका वजन 236 किलोग्राम था। उन्होंने बताया कि चम्फाई के वेंगथर इलाके के रहने वाले लालटनपुइया (30) और वनरोपुइया (27) नामक दो लोगों को मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ऐसा संदेह है कि मैथामैफ्टामाइन की ये गोलियां म्यांमा से तस्करी कर लाई गईं थीं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद प्रधानमंत्री ने रद्द किया था अपना कश्मीर दौरा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को दावा किया कि गत 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले से तीन दिन पहले खुफिया रिपोर्ट के आधार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना जम्मू-कश्मीर दौरा रद्द कर दिया था। उन्होंने यहां कांग्रेस की 'संविधान बचाओ रैली' को संबोधित करते हुए यह सवाल भी किया कि इसी खुफिया रिपोर्ट के आधार पर लोगों की सुरक्षा क्यों नहीं की गई?

उन्होंने कहा कि सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर खुफिया विफलता की बात स्वीकार की है और ऐसे में उसे 26 लोगों की मौत की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। खरगे ने इस बात को दोहराया कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए हर कदम का कांग्रेस समर्थन करेगी तथा सरकार के साथ खड़ी होगी। बीते 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने कम से कम 26 लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। इनमें ज्यादातर पर्यटक थे। भारत ने इस भयावह घटना के लिए पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी समूहों को जिम्मेदार बताया है। खरगे ने पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए कहा, ''22 अप्रैल को देश में एक बहुत बड़ा आतंकी हमला हुआ, जिसमें 26 बेगुनाह लोग मारे गए। सरकार ने यह माना कि ये खुफिया विफलता है और इसे सुधारने की जरूरत है। उन्होंने सवाल किया, ''जब आपको यह (खुफिया विफलता) मालूम है तो पहले ही अच्छी व्यवस्था क्यों नहीं की गई?''

जनगणना में 'सरना' धर्म का विकल्प भी होना चाहिए : खरगे

रांची/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि अगली जनगणना में 'सरना' धर्म भी एक विकल्प होना चाहिए, ताकि इसमें विश्वास करने वाले लोग अपने धर्म के तौर पर इसका उल्लेख कर सकें।

उन्होंने यहां 'संविधान बचाओ रैली' को संबोधित करते हुए यह आरोप भी लगाया कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'सरना' धर्म की रक्षा नहीं कर सकते। खरगे ने कहा, ''सरना आदिवासियों का धर्म का है। इस धर्म की रक्षा नरेन्द्र मोदी नहीं कर सकते। वह कहीं जाकर डुबकी मार सकते हैं, लेकिन आपकी हिफाजत नहीं कर सकते।'' आने वाली जनगणना में 'सरना' का अलग कॉलम होना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आह्वान किया कि वह भी इसके लिए प्रयास करें। बाद में उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हमने आदिवासी भाई-बहनों के लिए 'सरना कोड' लागू करने की बात की थी। अब जनगणना की प्रक्रिया शुरू होगी तो आदिवासियों से उनका धर्म पूछ जाएगा। तो हम चाहते हैं कि अन्य धर्मों के साथ 'सरना' भी विकल्प के रूप में दिया जाए। इसके लिए हम भी केंद्र सरकार पर दवाब बनायेंगे। आप सब (जनता) को खासकर झारखंड की हमारी गठबंधन सरकार को इसके लिए मिलकर प्रयत्न करना है।'

रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने 'जगन्नाथ धाम' विवाद में प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा तटीय शहर दीघा के जगन्नाथ मंदिर को 'जगन्नाथ धाम' कहने पर पैदा हुये विवाद में हस्तक्षेप करने की मांग की। हाल ही में इस मंदिर का उद्घाटन किया गया है।

पद्मश्री पुरस्कार विजेता पटनायक श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति (एसजेटीएमसी) के सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर ही असली धाम है। उन्होंने कहा कि पश्चिम

बंगाल सरकार द्वारा दीघा के मंदिर को 'जगन्नाथ धाम' कहना भगवान जगन्नाथ के लाखों भक्तों को स्वीकार्य नहीं है। पटनायक ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की घोषणा से यह बात लोगों के ध्यान में आई है कि दीघा में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर को 'जगन्नाथ धाम' कहा जा रहा है। महाप्रभु श्री जगन्नाथ को समर्पित नए मंदिर का निर्माण वास्तव में सराहनीय है, लेकिन इसे 'जगन्नाथ धाम' कहने से दुनिया भर में उनके लाखों भक्तों की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि पवित्र ग्रंथों के अनुसार केवल एक ही मान्यता प्राप्त जगन्नाथ धाम है, जो पुरी में स्थित है। किसी अन्य स्थान के लिए इस प्रतिष्ठित नाम का इस्तेमाल करने से धार्मिक भ्रम पैदा हो सकता है और यह हिंदू धर्म की दीर्घकालिक आध्यात्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के विपरीत है। पटनायक ने मोदी को लिखे पत्र में कहा, गहरे सम्मान और श्रद्धा के साथ, महाप्रभु जगन्नाथ के प्रति आपकी अटूट भक्ति और समृद्ध जगन्नाथ संस्कृति के संरक्षण में आपके ईमानदार प्रयासों को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है।

बंगाल में हिंसा फैलाने के लिए बाहर से दंगाइयों को लाया जा रहा है : मुख्यमंत्री ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुति (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि हिंसा फैलाने के लिए बाहर से दंगाइयों को राज्य में लाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे ''भाजपा या धार्मिक कट्टरपंथियों'' की बातों में आकर आपस में फूट ना पड़ने दें।

मुर्शिदाबाद में एक सरकारी कार्यक्रम में बनर्जी ने दोहराया कि बंगाल में वक्फ (संशोधन) अधिनियम लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''बंगाल में बाहर से दंगाइयों को लाया जा रहा है, उनके बहकावे में न आएं... भाजपा या

किसी धार्मिक कट्टरपंथी की बातों में आकर आपस में फूट ना डालें।'' मुख्यमंत्री ने लोगों से वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में हिंसा में शामिल ना होने का भी आग्रह किया।

बनर्जी ने कहा, ''बंगाल में अधिनियम (लागू) करने का कोई सवाल ही नहीं उठता।'' बनर्जी वर्तमान में मुर्शिदाबाद में जिले के दंगा प्रभावित क्षेत्रों के दो दिवसीय दौरे पर हैं और पीड़ितों और उनके परिवारों से मुलाकात करेंगी।

एनएचआरसी ने 300 साल पुराने मंदिर की 'खराब हालत' पर ओडिशा सरकार से रिपोर्ट मांगी

केंद्रपाड़ा/भाषा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में स्थित 300 साल पुराने बलदेव जी मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी सुविधाओं में आ रही कमी से संबंधित आरोपों पर राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है।

एनएचआरसी ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को चार सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने को कहा तथा इसने कुछ दिशानिर्देशों की एक प्रति मुख्य सचिव मनोज आहूजा और डीजीपी वाईबी खुरानिया को भेजी है।

एनएचआरसी में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मंदिर के धर्मस्व बोर्ड, पुलिस और जिला प्राधिकरण की लापरवाही के कारण मंदिर की हालत बद से बदतर हो गई है।

रोहित और कोहली जब तक अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तब तक खेल सकते हैं : गौतम गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मंगलवार को कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जब तक अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तब तक उन्हें भारतीय टीम का हिस्सा होना चाहिए।

उन्होंने हालांकि साथ ही दावा किया कि इंग्लैंड के आगामी टेस्ट दौरे के लिए इन दो सीनियर बल्लेबाजों को चुना जाए या नहीं यह तय करने में उनकी कोई भूमिका नहीं होगी। इंग्लैंड में टेस्ट

कप्तान के रूप में 38 वर्षीय रोहित के भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। 36 वर्षीय कोहली के बारे में चर्चा बहुत अधिक नहीं है लेकिन उनके भविष्य पर भी सवाल उठ रहे हैं। एबीपी न्यूज के 'इंडिया एट 2047' समिट में बोलते हुए गंभीर ने सीनियर खिलाड़ियों के भविष्य पर टिप्पणी करने से बचने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ''सबसे पहली बात, कोच का काम टीम का चयन करना नहीं है। चयन करना चयनकर्ताओं का काम है। कोच केवल उन 11 खिलाड़ियों का चयन करता है जो मैच खेलेंगे। ना तो मेरे से पहले कोचिंग करने वाले चयनकर्ता थे और ना ही मैं चयनकर्ता हूं।''

अधिक जोर दिए जाने पर गंभीर ने कहा, ''जब तक वे (रोहित और कोहली) अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तब तक उन्हें टीम का हिस्सा होना चाहिए। आप कब खेलना शुरू करते हैं और कब खेलना बंद करते हैं, यह आपका व्यक्तिगत फैसला है।'' उन्होंने कहा, ''कोई कोच, कोई चयनकर्ता, कोई बीसीसीआई आपको यह नहीं बता सकता कि आपको कब खेलना बंद कर देना चाहिए। अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो 40 की उम्र क्यों, आप 45 साल तक खेल सकते हैं, आपको कौन रोक रहा है?''

भारत 20 जून से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगा।

कुछ लोग भारतीय क्रिकेट को अपनी निजी जागीर समझते हैं : गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कुछ पूर्व स्टार टेस्ट खिलाड़ियों की आलोचना करते हुए उन पर भारतीय क्रिकेट को अपनी 'निजी जागीर' समझने का आरोप लगाया। गंभीर ने नाम तो नहीं लिए लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त संकेत दिए कि उनके गुस्से का निशाना मुंबई के दो पूर्व भारतीय कप्तान थे जो उनके खेलने के दिनों से ही उनकी आलोचना करते रहे हैं।

गंभीर ने 'एबीपी न्यूज' के कार्यक्रम में कहा, ''मैं आठ महीने से यह काम कर रहा हूं। अगर नतीजे नहीं आते हैं

तो मुझे आलोचना से कोई दिक्कत नहीं है। आलोचना करना लोगों का काम है। कुछ लोग हैं जो 25 साल से कमेंट्री बॉक्स में बैठे हैं और उन्हें लगता है कि भारतीय क्रिकेट उनकी निजी जागीर है।'' उन्होंने जोर देकर कहा, ''भारतीय क्रिकेट किसी की निजी संपत्ति नहीं है और यह 140 करोड़ भारतीयों की संपत्ति है।'' दिल्ली के इस खिलाड़ी ने कहा, ''इन लोगों ने मेरी कोचिंग, कनकशन (जब सिर में चोट लगने के कारण उन्होंने 2011 का इंग्लैंड दौरा बीच में छोड़ दिया था) से लेकर चैंपियंस ट्रॉफी की पुरस्कार राशि के वितरण तक पर सवाल उठाए हैं।'' कमेंटेटर की भी भूमिका निभाने वाले भारत के एक पूर्व मुख्य कोच ने 2011 में इंग्लैंड के हाथों टीम के 0-4 से क्लीनस्वीप के दौरान गंभीर के कनकशन के बारे में कहा था कि यह गंभीर नहीं था।

जहां तक चैंपियंस ट्रॉफी पुरस्कार राशि का सवाल है तो यह भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर थे जिन्होंने 'स्पोर्टस्टार' के लिए अपने कॉलम में आश्चर्य व्यक्त किया था कि क्या गंभीर अपने पूर्ववर्ती राहुल द्रविड़ का अनुसरण करेंगे और सहयोगी स्टाफ के साथ इनामी राशि साझा करेंगे।

सुविचार

प्रत्येक व्यक्ति इस दुनिया में एक विशिष्ट नियति के साथ आता है-उसे कुछ पूरा करना होता है, कुछ संदेश देना होता है, कुछ काम पूरा करना होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अनुशासन की भावना

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच मॉक ड्रिल आयोजित करने संबंधी जो दिशा-निर्देश दिए हैं, वे देशवासियों में अनुशासन की भावना पैदा करने में सहायक सिद्ध होंगे। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान को दंडित करने के लिए संकल्प लिया है। उसे ध्यान में रखते हुए हर नागरिक को योगदान देने के लिए तैयार रहना चाहिए। हमारी सेनाएं समर्थ और शक्तिशाली हैं। पाकिस्तान के खिलाफ क्या कार्रवाई करनी है, इसका फैसला वे उचित समय पर लेंगी। आम नागरिकों को देश की रक्षा और सेवा करने के लिए सरहद पर जाने की जरूरत नहीं है। हम अपने घरों, कार्यक्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन का ध्यान रखेंगे तो देश को बहुत मदद मिल जाएगी। मॉक ड्रिल के दौरान अधिकारी जो निर्देश दें, उनका पूरी तरह पालन करें। इसकी गंभीरता को समझें और सोशल मीडिया पर कोई हल्की टीका-टिप्पणी करने से बचें। मॉक ड्रिल में सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं पर ध्यान दिया जाता है। देशवासियों को मुश्किल समय का सामना करने के लिए इसके संदेश को अपने जीवन में उतारना चाहिए। मॉक ड्रिल में सिखाई गईं बातों का महत्त्व हमेशा रहेगा। आतंकवाद और युद्ध जैसी परिस्थितियों के अलावा बाढ़, भूकंप, महामारी जैसी चुनौतियां भी हैं। देशवासियों को मुश्किलों का सामना करने का कौशल सिखाना चाहिए। कल्पना करें- अगर किसी दिन, खासकर गर्मियों में तकनीकी कारणों से कई घंटों तक विद्युत आपूर्ति संभव न हो तो कितने लोग अपने घरों में आसानी से रह पाएंगे? कितने घरों में रोशनी करने के लिए मोमबत्तियां या लालटेन आदि हैं?

आज कंप्यूटरों पर निर्भरता बहुत बढ़ गई है। अगर किसी दिन तकनीकी खामी के कारण इनका संचालन अवरुद्ध हो जाए तो कामकाज कैसे होगा? याद करें, पिछले साल जुलाई में कई देशों में बैंक शाखाओं, हवाईअड्डों, मीडिया सेवाओं, शेयर बाजारों समेत कई दफ्तरों का कामकाज रुक गया था। लोगों ने अपने कंप्यूटरों को चालू करने के लिए बटन दबाया तो स्क्रीन का रंग नीला नज़र आया था। सोचिए, किसी दिन शत्रु एजेंसियां ऐसी परिस्थिति पैदा कर दें कि कुछ घंटों के लिए इंटरनेट सेवाएं अवरुद्ध हो जाएं, समाचार चैनलों के संचालन में बाधा आ जाए और अफवाहें फैलने लगें तो कितने घरों में रेडियो सेट हैं, जिनके जरिए भारत सरकार नागरिकों तक सही जानकारी पहुंचा सकती है? ऐसी दर्जनों चुनौतियां हैं, जिनकी ज्यादातर लोगों ने कल्पना नहीं की होगी, लेकिन शत्रु एजेंसियां उनसे बड़ा नुकसान पहुंचा सकती हैं। ध्यान रखें, युद्ध सिर्फ सरहद पर नहीं लड़े जाते। आज चीन, पाकिस्तान समेत कई देश भारत के विकास के मार्ग में बाधाएं डालना चाहते हैं, इसलिए देशवासियों में शत्रुबोध होना चाहिए। जिनमें शत्रुबोध का अभाव होता है, उनके साथ धोखा होता है। हमारे साथ कई बार ऐसा हुआ है। हमें अतीत के अनुभवों से सबक लेते हुए भविष्य में किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। मॉक ड्रिल भी इसी का हिस्सा है। ऐसी ड्रिल का विभिन्न क्षेत्रों तक विस्तार करते हुए नागरिकों में एकजुटता पैदा करनी चाहिए। इन ड्रिल की योजना बनाने से पहले इतिहास में हुईं विभिन्न बड़ी घटनाओं का अध्ययन करना लाभदायक रहता है। सोचिए, अगर कभी दुनिया में अचानक ईंधन संकट पैदा हो जाए तो हम उसके लिए कितने तैयार हैं? कितने लोग भोजन पकाने के अन्य विकल्पों के बारे में जानते हैं? कितने घरों में साइकिलें हैं? अगर किसी साल कुछ सब्जियों की भारी कमी हो जाए तो किन आसान विकल्पों को अपनाकर घर का बजट संतुलित रख सकते हैं? दुनिया कई बार ऐसी समस्याओं का सामना कर चुकी है। अनुशासित और मजबूत इरादों वाले लोग ही विजेता बनकर उभरते हैं।

ट्वीटर टॉक

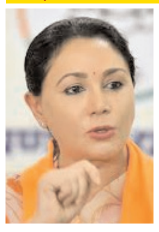

आज गुजरात के केवड़िया में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सांसद-विधायक प्रशिक्षण वर्ग में माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस शिविर सम्मिलित होकर सभी को शीर्ष नेतृत्व का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

-दीया कुमारी

ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार की कुसुम योजना के अंतर्गत प्रदेश में 1 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता का नया कीर्तिमान स्थापित किया । इस स्वर्णिम उपलब्धि से न केवल प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित होगी।

-भजनलाल शर्मा

गुजरात के केवड़िया में आज भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित राजस्थान के सांसदों एवं विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन विभिन्न सत्रों में वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारियों ने प्रेरणादायक उद्बोधन दिया।

-भूपेन्द्र यादव

प्रेरक प्रसंग

ज्ञान का योद्धा

पिता की मृत्यु के बाद मात्र चौदह वर्ष की आयु में जुर्गिस बिलिनिस पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी आ गई थी। कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन करते हुए, जब वे 22 वर्ष के हुए, तो उनके भीतर फिर से शिक्षा प्राप्त करने की तीव्र इच्छा जागी। इसी उद्देश्य से वे गांव से शहर की ओर रवाना हुए। उनकी मुलाकात दो राहगीरों से हुई। उन्होंने सुझाव दिया, 'तुम पढ़ाई के साथ-साथ धन भी कमा सकते हो। इसके लिए बस तुम्हें सीमा पार जाकर वहां से लिथुआनियाई भाषा की किताबें लानी होंगी और इस पार बेचनी होंगी। इसके बदले में तुम्हें पैसे मिलेंगे।' उन दिनों रूस के शासन के दौरान लिथुआनियाई भाषा, उसकी लिपि और उसके प्रकाशन पर प्रतिबंध था। इस तरह जुर्गिस बिलिनिस धीरे-धीरे लिथुआनियाई भाषा की पुस्तकों के एक प्रसिद्ध तस्कर बन गए। लेकिन वे इसे तस्करी नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा मानते थे। आख़िरकार एक दिन लिथुआनियाई भाषा से प्रतिबंध हटा दिया गया। लोग समझ गए कि पुस्तकों और ज्ञान के माध्यम से ही साम्राज्यवाद को हराया जा सकता है। जुर्गिस बिलिनिस लोगों के बीच सम्मानित व्यक्ति बन गए।

सामयिक

भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं टैगोर

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

कोलकाता में साहित्यिक माहौल वाले कुलीन धनाढ्य परिवार में 7 मई 1861 को जन्मे रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उच्च कोटि के साहित्यकार, उपन्यासकार और नाटककार के अलावा संगीतप्रेमी, अच्छे चित्रकार तथा दार्शनिक भी थे। टैगोर एशिया के प्रथम ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1913 में विश्वविख्यात महाकाव्य गीतांजली' की रचना के लिए साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह पुरस्कार स्वयं समारोह में उपस्थित होकर ग्रहण नहीं किया था बल्कि ब्रिटेन के एक राजदूत ने यह पुरस्कार लेकर उन तक पहुंचाया था। नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहतरी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया। मार्च 1913 में लंदन की मैकमिलन एंड कंपनी ने इसे प्रकाशित किया और 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छापे गए।

टैगोर की कुछ कविताएं तो बांग्लादेश के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा भी हैं। जहां तक भारत के राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' की बात है कि इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दूसरे दिन का काम शुरू होने से पहले 27 दिसम्बर 1911 को पहली बार गाया गया था। हालांकि उस दौरान इस बात को लेकर भी कुछ विवाद चला कि कहीं उन्होंने यह गीत अंग्रेजों की प्रशंसा में तो नहीं लिखा लेकिन इसके रचयिता टैगोर ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि इस गीत में वर्णित भारत भाग्य विधाता' के केवल दो ही अर्थ हो सकते हैं, देश की जनता या फिर सर्वशक्तिमान ऊपर वाला, फिर चाहे उसे भगवान कहें या देव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा रवीन्द्र नाथ टैगोर राष्ट्रीयता, देशभक्ति, तर्कशक्ति इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते थे लेकिन दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान भी

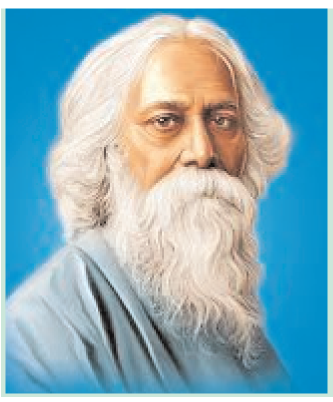

मात्र आठ वर्ष की आयु में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियां तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहां प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पांच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना।

किया करते थे। साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को गांधीजी ने ही सर्वप्रथम 'गुरूदेव' कहा था जबकि गांधीजी को महात्मा की उपाधि टैगोर ने दी थी। उन्होंने 12 अप्रैल 1919 को गांधीजी को महात्मा' का सम्बोधन करते हुए एक पत्र लिखा था, उसके बाद ही गांधीजी को महात्मा कहा जाने लगा।

मात्र आठ वर्ष की आयु में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियां तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहां प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पांच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना।। 1919 में उन्होंने शांतिनिकेतन कला के एक स्कूल 'कला भवन' की भी नींव रखी, जो दो साल बाद विश्वभारती विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। शांतिनिकेतन में ही गुरूदेव ने अपनी कई साहित्यिक कृतियां लिखी और यहां मौजूद उनका घर आज भी ऐतिहासिक महत्व का है। उनका ज्यादातर साहित्य काव्यमय रहा और अनेक रचनाएं गीतों के रूप में प्रसिद्ध हैं। 1880 के दशक में उन्होंने कविताओं की कई पुस्तकें प्रकाशित की और 1890 में मानसी' की रचना की।

कविता, गान, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला इत्यादि साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिसमें उनकी रचना न हो। उनकी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया हैमांति, क्षुदिता, मुसलमानिर गोल्पो आदि प्रमुख हैं। उन्होंने कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया, जिसके बाद उनकी रचनाएं पूरी दुनिया में पढ़ी और सराही गई। उपन्यास में गोरा, चतुरंगा, नौकादुबी, जोगजोग, घारे बायर, मुन्ने की वापसी, अंतिम प्यार, अनाथ इत्यादि गुरूदेव के कुछ प्रमुख उपन्यास हैं। इनके अलावा काबुलीवाला, मास्टर साहब, पोस्टमास्टर इत्यादि उनकी कई कहानियों को भी बेहद पसंद किया गया। अपने जीवनकाल में गुरूदेव ने करीब 2230 गीतों की रचना की और बांग्ला साहित्य के जरिये भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान डाली। अपनी अधिकांश रचनाओं में उन्होंने इंसान और भगवान के बीच के संबंधों तथा भावनाओं को उजागर किया। सही मायनों में गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर मानवता के मुखर पैरोकार थे। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, चीन सहित दर्जनों देशों की यात्राएं की। स्वामी विवेकानंद के बाद वे दूसरे ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने विश्व धर्म संसद को दो बार सम्बोधित किया। बहुआयामी प्रतिभा के धनी गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रोस्टेट कैंसर के कारण 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में अंतिम सांस ली।

ज्ञान विज्ञान

धरती से टकरा सकता है कोस्मोस 484 सोवियत स्पेसक्राफ्ट

सोवियत संघ का पांच दशक पहले लॉन्च किया गया स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी पर वापस आ रहा है। कोस्मोस 482 नाम के इस यान को सोवियत संघ ने साल 1972 में लॉन्च किया था। ये मिशन सफल नहीं हुआ और यान पृथ्वी की कक्षा में फंस गया था। अब 53 साल बाद इसके वापस धरती पर गिरने का अंदेशा है। विशेषज्ञों का कहना है कि कोस्मोस 482 यान इसी हफ्ते, 8 से 12 मई के बीच कभी भी पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश कर सकता है। भारत के भी कुछ हिस्सों के इसकी जद में आने से एक्सपर्ट ने इनकार नहीं किया है। लाइव साइंट की रिपोर्ट के मुताबिक, कोस्मोस 482 करीब 242 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से एक उल्कापिंड की तरह गिरेगा। यान करीब 1 मीटर चौड़ा और 495 किलोग्राम वजन का है। ऐसे में यह यान एक तोप के गोले की तरह धरती की तरफ आएगा। पृथ्वी पर इसके गिरने की सटीक जगह तय करने में एक्सपर्ट कामयाब नहीं हो पाए हैं।

एक्सपर्ट का कहना है कि इस अंतरिक्ष यान के गिरने का संभावित क्षेत्र काफी बड़ा है। यह 52 डिग्री उत्तरी अक्षांश से 52 डिग्री दक्षिणी

अक्षांश के बीच गिर सकता है। इसका मतलब है कि यह अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप और एशिया के अधिकांश हिस्सों में कहीं भी गिर सकता है। इसमें भारत और इसके पड़ोसी देश भी हैं। एक्सपर्ट ने कहा है कि इसके आबादी वाले क्षेत्र में गिरने की संभावना बहुत कम और समुद्र में गिरने की संभावना ज्यादा है।

कोस्मोस 482 एक अंतरिक्ष यान है, जिसे सोवियत संघ ने 1972 में शुक्र ग्रह का पता लगाने के लिए बनाया था। वेनेरा 7 और 8 के शुक्र ग्रह पर सफल लॉन्च के बाद इसका परीक्षण किया गया था। कोस्मोस 482 को ले जाने वाले सोयुज रॉकेट में खराबी के कारण यह स्पेसक्राफ्ट शुक्र ग्रह तक नहीं पहुंच सका और पृथ्वी की कक्षा में ही फंस गया।

कोस्मोस 482 के लॉन्च होने के तुरंत बाद कई टुकड़ों में टूट गया। इसका मुख्य भाग नौ साल बाद मई, 1981 को पृथ्वी के वायुमंडल में वापस आ गया था लेकिन डिसेंट क्राफ्ट अभी तक अपनी कक्षा में फंसा है। इसके इस हफ्ते धरती पर वापस आने की संभावना है। इसके पृथ्वी से टकराने पर एक्सपर्ट और आम लोगों में चिंता है। कोस्मोस 482 अंतरिक्ष में मौजूद एक सेंटीमीटर से बड़े 12 लाख से अधिक टुकड़ों में से है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (एड-) के अनुसार, 10 सेंटीमीटर से बड़े करीब 50,000 टुकड़े अंतरिक्ष में घूम रहे हैं। एड- की रिपोर्ट कहती है कि मौजूदा समय में औसतन तीन बार पूरे उपग्रह या रॉकेट के हिस्से पृथ्वी के वायुमंडल में वापस आ रहे हैं।

नजरिया

सृजन की मानवीय संवेदना

डॉ रामेश्वर मिश्र
मोबाइल : 8318845900

रवीन्द्रनाथ टैगोर के लिए मनुष्य जीवन का मूल्य सबसे बढ़कर था। धर्म, राष्ट्र और समाज के सब नियम-कानून मानवीय मूल्य के पोषक बने। जातीय संघर्ष, धार्मिक उन्माद को रोकने का मूल मानवीय मूल्यों के सृजन में निहित है। रवीन्द्रनाथ टैगोर जी के मानवीय संवेदनाओं में किसान था, मजदूर था, तो वही युवाओं का जोश था, राष्ट्र के हुंकार में मानवीय संवेदनाएं थी, उनके गीतों में मानवीय मूल्य का संगीत था।

जंगे आजादी में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने मानवीय पक्ष को हमेशा अपना आधार बनाया, टैगोर जी का मानवतावाद आध्यात्मिक धरातल पर आधारित था इसमें यह अवधारणा निहित है कि मनुष्य परमात्मा की श्रेष्ठ कृति है, मनुष्य में परमात्मा का वास है, मनुष्य में जो देवत्व है, वह उसे परस्पर प्रेम के बंधन में बांधता है। टैगोर ने हमेशा मानवी प्रेम को अपने लेखन एवं विचारों में महत्वपूर्ण स्थान दिया क्योंकि ईश्वर द्वारा निर्मित मानव के हृदय में प्रेम का सृजन ही संसार और राष्ट्र के निर्माण में सहायक होगा। रवीन्द्रनाथ टैगोर पृथ्वी पर दैवीय प्रेम के संदेशवाहक थे। गीतांजलि में उन्होंने ईश्वरी प्रेम की व्यापकता का गान किया है और अपने बंधुओं को आमंत्रित किया है कि वह इस प्रेम सागर का रसास्वादन करें। रवीन्द्रनाथ टैगोर के विचारों को विश्व पटल पर महत्वपूर्ण स्थान मिला, उन्होंने समाज और राष्ट्र रुपी माला को जोड़ने के लिए प्रेम और विनम्रता को अपना आधार मानते थे। टैगोर का मानना था कि जब हम विनम्रता में महान होते हैं तभी हम मानवता के करीब होते हैं। मानवता और मानवी मूल्यों को लेकर रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अथक साहित्यिक साधना की जिसके माध्यम से उन्होंने अपना संदेश समाज तक पहुंचाने का कार्य किया। रवीन्द्रनाथ टैगोर कोलकाता विश्वविद्यालय में कमला व्याख्यान माला के अंतर्गत अपने एक भाषण में कहा कि मनुष्य का दायित्व महामानव का दायित्व है जिसकी कही सीमा नही है, जंतुओं का आवास भूमंडल पर है और मनुष्य का आवास वहां है जिसे वह देश कहता है और देश केवल भौमिक नहीं अपितु मानसिक है, रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कहा कि मनुष्य-मनुष्य के मिलन से यह देश बनता है, रवीन्द्रनाथ टैगोर का विचार मानवता के मूल में प्रेम, त्याग, सहयोग, संयम, स्नेह, समर्पण और स्वतंत्रता पर आधारित था। जिसका समावेश ही राष्ट्र और समाज के निर्माण में सहायक था।

रवीन्द्रनाथ टैगोर जी ने अपने विचारों पर राष्ट्रवाद को कभी मानवीय मूल्य के विचारों पर हावी नहीं होने दिया। चाहे इसके लिए उन्हें अपनों से वैचारिक संघर्ष ही क्यों न करना पड़ा हो। सन 1908 में भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की पत्नी अंबाला बोस को लिखित चिट्ठी से टैगोर जी के मानवीय मूल्य परक विचारों को समझा जा सकता है, टैगोर जी ने चिट्ठी में लिखा कि देश प्रेम हमारा आखिरी आध्यात्मिक सहारा नहीं बन सकता, मेरा आश्रय मानवता में है, मैं हीरे के दामों पर ग्लास नहीं खरीदूगा और जब तक मैं जिंदा हूँ मानवता के लिए कार्य करूंगा। रवीन्द्रनाथ टैगोर ने आजीवन मानवीय प्रेम को अपने विचारों के लिए पोषक माना उन्होंने मानवीय संवेदनाओं और मानवीय चेतनाओं को हमेशा अपने विचारों का लेखन में पोषण किया है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर ने राष्ट्रवाद और मानवता के बीच हमेशा मानवता को चुना, उसी का पक्ष लिया जिससे कई अवसर ऐसे आए जब उन्होंने राष्ट्रवाद का विरोध किया। टैगोर ने प्राणी मात्र के जीवन को सम्मान देने और उनके प्रति सेवा का भाव रखने का विचार प्रकट किया। टैगोर का मानना था भगवान वहां है जहां किसान खेत की मिट्टी जोत कर उसे फसल के लिए तैयार करता है, भगवान वहां है जहां मजदूर पत्थर को तोड़कर सड़के बनाता है, भगवान दीन बंधु और करुणा का सागर है, वह अधम से अधम प्राणी में विद्यमान है। रवीन्द्रनाथ टैगोर मानवीय मूल्यों को लेकर मनुष्य मात्र को ईश्वर से जोड़ा जिससे सामाजिक सद्भाव को बढ़ाया जा सके। रवीन्द्रनाथ टैगोर के मानवीय मूल्य परक विचारों के प्रभाव से जनमानस को नया आयाम मिला। मानवीय मूल्य से प्रेरित रचना गीतांजलि के लेखन कार्य के लिए उन्हें सन 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला जो कि एशिया के किसी नागरिक को मिलने वाला प्रथम पुरस्कार था। रवीन्द्रनाथ टैगोर की रचना गीतांजलि के प्रभाव से भारतीय संस्कृति में नई चेतना का विकास हुआ। रवीन्द्रनाथ टैगोर के विचारों के विकास का ही सार्थक फल है कि रवीन्द्रनाथ टैगोर की दो रचनाएं जिसमें भारत का राष्ट्रगान 'जन गण-मन' और 'आमार-सोनार-बांग्ला' बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान बना।

रवीन्द्रनाथ टैगोर के लिए मनुष्य जीवन का मूल्य सबसे बढ़कर था। धर्म, राष्ट्र और समाज के सब नियम-कानून मानवीय मूल्य के पोषक बने। जातीय संघर्ष, धार्मिक उन्माद को रोकने का मूल मानवीय मूल्यों के सृजन में निहित है। रवीन्द्रनाथ टैगोर जी के मानवीय संवेदनाओं में किसान था, मजदूर था, तो वही युवाओं का जोश था, राष्ट्र के हुंकार में मानवीय संवेदनाएं थी, उनके गीतों में मानवीय मूल्य का संगीत था। सृजन के पक्ष की मधुरता थी, राष्ट्र मानवीय जीवन के सृजन का आधार था। ऐसे मानवीय मूल्य के पोषक रवीन्द्रनाथ टैगोर जी के जन्मदिवस के अवसर पर उनको शत-शत नमन।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बांग्लादेश: अदालत का हिरासत में लिए गए हिंदू नेता के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अदालत ने मंगलवार को हिरासत में लिए गए हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास को चार और मामलों में मंगलवार को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। इसके एक दिन पहले अदालत ने हत्या के एक मामले में उनके खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई की थी।

सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस की खबर के अनुसार, चटगांव मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एसएम अलाउद्दीन महमूद ने 'वर्चुअल' सुनवाई के बाद यह आदेश जारी किया।

इस्कॉन के पूर्व पदाधिकारी दास को पिछले साल 25 नवंबर को राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर देशद्रोह के एक मामले में ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ़्तार किया गया था। चटगांव की एक अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें अगले दिन जेल भेज दिया था।

उनकी गिरफ्तारी को लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए और उनके अनुयायियों ने ढाका और अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। सहायक लोक अभियोजक मोहम्मद रेहानुल वाजेद चौधरी के अनुसार, जिन चार मामलों में अदालत ने मंगलवार को कार्रवाई की उनमें कोतवाली पुलिस थाने में पुलिस के काम में बाधा डालना और वकीलों तथा न्याय चाहने वालों पर हमला शामिल है।

समाचार पोर्टल बीडीन्यूज24 ने चौधरी के हवाले से कहा, ''अदालत ने सुनवाई के बाद उन्हें (दास को) गिरफ्तार दिखाने की याचिका स्वीकार कर ली।''

खबर में एक अधिकारी के हवाले से कहा गया कि दास को उनकी 'सुरक्षा और समग्र स्थिति' को ध्यान में रखते हुए सुनवाई के लिए 'वर्चुअल' माध्यम से अदालत के समक्ष पेश किया गया था।

बीएसएस ने बताया कि 'वर्चुअल' सुनवाई के मद्देनजर मंगलवार सुबह से ही चटगांव अदालत परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। चटगांव जेल के सामने भी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

अदालत ने सोमवार को सहायक सरकारी अभियोजक सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या के सिलसिले में दास की गिरफ़्तारी का आदेश दिया जिसकी हिंदू नेता की गिरफ्तारी के बाद भड़के हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी।

उच्च न्यायालय की एक पीठ ने 30 अप्रैल को दास को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। लेकिन इस फ़ैसले को अपीलीय डिवीजन के चैंबर न्यायाधीश न्यायमूर्ति रेजाउल हक के समक्ष चुनौती दी गई जिन्होंने जमानत देने के फैसले पर रोक लगा दी।

भारत के साथ रक्षा समझौतों को संशोधित किया जा रहा है: मालदीव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

माले। मालदीव ने मंगलवार को कहा कि भारत के साथ मौजूदा रक्षा समझौतों में संशोधन किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मालदीव की संप्रभुता और स्वतंत्रता प्रभावित नहीं हो। यहां मीडिया की खबरो में यह जानकारी दी गई है।

रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून ने संसद के सदस्यों को यह भी बताया कि मालदीव में तैनात 74 भारतीय सैनिक, जिन्हें पिछले साल भारत के साथ हुए समझौते के तहत वापस भेजा गया था, मालदीव में रहने के दौरान निहत्थे थे।

मौमून का यह बयान मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू द्वारा 15 घंटे की मैराथन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह कहने के कुछ दिनों बाद आया है कि भारत सहित अन्य देशों के साथ पिछली सरकार द्वारा किए गए समझौतों को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है।मुइज्ज़ू की टिप्पणियों की विपक्षी नेता ने आलोचना की थी, जिन्होंने भारत जैसे देशों के साथ समझौतों के बारे में 2023 के चुनाव अभियान के दौरान 'झूठे दावे' करने के लिए उनसे माफी की मांग की थी।

न्यूजपोर्टल 'एडिशन. एमवी.' की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को संसद सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए मौमून ने कहा कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे घनिष्ठ संबंधों के तहत भारत के साथ किए गए समझौतों में संशोधन किया गया है या किया जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे मालदीव की संप्रभुता और स्वतंत्रता की रक्षा करें। सरकारी समाचार एजेंसी 'पब्लिक सर्विस मीडिया' (पीएसएम न्यूज) ने मंत्री के हवाले से कहा कि 1965 में मालदीव को स्वतंत्रता मिलने के बाद से भारत के साथ 100 से अधिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए और उनमें से चार रक्षा मंत्रालय से संबंधित हैं।

पीएसएम न्यूज ने कहा कि समीक्षाधीन प्रमुख समझौतों में से एक भारत की सहायता से उथुरु थिलाफाल्हू में एक नौसैनिक 'डॉकयार्ड' के विकास से संबंधित है। वर्ष 2023 के चुनाव से पहले विपक्ष में रहने के दौरान मुइज्ज़ू के नेतृत्व वाली पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने उथुरु थिलाफाल्हू समझौते के पहलुओं की आलोचना की थी, जिसमें दावा किया गया था कि कुछ प्रावधानों का राष्ट्रीय नीति के साथ टकराव है। 'एडिशन. एमवी.' के अनुसार, मंत्री ने कहा कि ऐसे खंडों में अब संशोधन किया जा रहा है, लेकिन उन्होंने इससे अधिक कोई विवरण साझा नहीं किया।

चीन समर्थक राष्ट्रपति मुइज्ज़ू के नवंबर 2023 में पदभार ग्रहण करने के बाद से मालदीव और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट देखी गई। शपथ लेने के कुछ ही घंटों के भीतर उन्होंने अपने देश से भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजे जाने की मांग की थी।

इसके बाद, मार्च और 10 मई के बीच आपसी सहमति से भारतीय सैन्यकर्मियों की जगह आम नागरिकों को नियुक्त किया गया।

मालदीव में भारतीय सैन्यकर्मियों से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए रक्षा मंत्री मौमून ने मंगलवार को पुष्टि की कि वर्तमान में देश में कोई भी भारतीय सैनिक तैनात नहीं है। वर्ष 2024 के जून में विदेश मंत्री एस जयशंकर की पहली आधिकारिक यात्रा और अक्टूबर 2024 में मुइज्ज़ू की भारत यात्रा के बाद, दोनों देशों ने संबंधों को फिर से सुधारने की कोशिश की है।

प्रदर्शन

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, भाजपा सांसद मनोज तिवारी, कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी, प्रवीण खंडेलवाल और बांसुरी स्वराज के साथ भाजपा नेता और पार्टी कार्यकर्ता मंगलवार को नई दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर चल रहे जल संकट को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

ट्रंप की 'टैरिफ' धमकी से अमेरिका में भारतीय फिल्मों के कारोबार पर असर पड़ेगा : निर्माता

मुंबई/भाषा। भारत में फिल्म निर्माताओं का कहना है कि विदेश में निर्मित और अमेरिका में दिखाई जाने वाली फिल्मों पर 100 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा से भारतीय फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कारोबार पर असर पड़ेगा और इससे उनकी टिकट की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है।

हालांकि अभी तक इस बारे में स्पष्टता नहीं है, लेकिन उद्योग के अंदरूनी सूत्रों के एक वर्ग के अनुसार, इससे अमेरिका में प्रदर्शित होने वाली भारतीय फिल्मों के दर्शकों की संख्या पर असर पड़ने की आशंका है।

'प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष शिबाशीष सरकार, फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री और प्रदर्शक-वितरक अक्षय राठी ने ट्रंप की घोषणा पर चिंता जताई है।

सरकार ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''इस पर टिप्पणी करना अभी जल्दबाजी होगा, क्योंकि पिछले 30 से 45 दिन में जिस भी तरह के 'टैरिफ' की घोषणा की गई है, वह विभिन्न बदलावों और चर्चाओं से गुजर रहा है।

लेकिन अगर इसे लागू किया जाता है तो मेरा अनुमान है कि इसका पहला प्रभाव अमेरिकी बाजार में हमारी फिल्मों के थिएटर कारोबार पर पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि भारतीय फिल्म अमेरिकी बॉक्स ऑफिस पर लगभग 800 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई करती हैं।

सरकार ने कहा, ''यदि यह शुल्क लागू किया जाता है, तो प्रदर्शक टिकट की कीमतें बढ़ा देंगे और उपभोक्ताओं के लिए इसे महंगा बना देंगे। इस कारण दर्शकों की संख्या में भी भारी गिरावट आएगी। किसी भी तरह से, थिएटर के दृष्टिकोण से निर्माता के हिस्से पर प्रभाव पड़ेगा।''

ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ' सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में रविवार को कहा कि उन्होंने वाणिज्य विभाग और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय को ''विदेश में निर्मित किसी भी और सभी फिल्मों पर हमारे देश में आने पर'' 100 प्रतिशत 'टैरिफ' लगाने के लिए अधिकृत किया है।

'द कश्मीर फाइल्स' और 'द ताशकंद फाइल्स' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने अग्निहोत्री ने सरकार से सहमति जताते हुए कहा कि अगर यह शुल्क लागू हो गया तो अमेरिका में भारतीय फिल्मों के टिकटों के दाम बढ़ जाएंगे।

नोरा फतेही ने बिलबोर्ड फीचर के साथ इतिहास रचा

मुंबई/एजेन्सी

एक ऐतिहासिक उपलब्धि के तहत नोरा फतेही ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह एक सच्ची ग्लोबल स्टार हैं। नोरा फतेही एक बार फिर सुर्खियों में हैं, इस बार टैलेंट मैनेजर और सीईओ अंजुला आचार्य और रैपर किंग जैसे इंडस्ट्री के पावर प्लेयर्स के साथ बिलबोर्ड फीचर की शोभा बढ़ा रही हैं! वार्नर ब्रदर्स के साथ तीनों की अभूतपूर्व साझेदारी ने उन्हें बिलबोर्ड फीचर में एक प्रमुख स्थान दिलाया है, जहाँ उनके संगीत और मनोरंजन के ज़रिए संस्कृतियों को जोड़ने के प्रयासों को सराहा गया है। यह कवर फीचर नोरा की पॉप म्यूजिक की दुनिया में क्रॉसओवर को सुदृढ़ करता है, और अंजुला आचार्य ने इसे संभव बनाने के लिए 5 जंक्शन रिकॉर्ड्स और वार्नर रिकॉर्ड्स के साथ मिलकर इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। स्नेक के साथ बाधाओं को तोड़ने से लेकर एक ग्लोबल पॉप कलाकार के रूप में अपनी जगह बनाने तक, नोरा की यात्रा वही है जिसका इंडस्ट्री को इंतजार था।

इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी साझा करते हुए नोरा ने लिखा: एक और मील का पत्थर! बिलबोर्ड कवर पर मेरी पहली उपस्थिति! यह बहुत बड़ी बात है, मेरे वैश्विक म्यूजिक करियर के विज़न की दिशा में एक और कदम! अभी बहुत कुछ होने वाला है, और मैं तब तक इंतज़ार नहीं कर सकती जब तक दुनिया देख न ले कि आगे क्या होने वाला है! अपनी टीम की आभारी हूँयह हमारा समय है.

जेसन डेरुलो के साथ उनके धमाकेदार कोलाब स्नेक से लेकर रेवनी के साथ उनके हिट अफ्रोपॉप सिंगल पेपेटा और जैक नाइट के साथ प्रशंसकों के पसंदीदा डर्टी लिटिल सीक्रेट तक, नोरा एक जीवंत और बहुमुखी वैश्विक संगीत सूची बनाना जारी रखती हैं। उनके सोलो ड्रॉप आई एम बॉसी ने एक उभरती हुई ग्लोबल पॉप ताकत के रूप में उनकी उपस्थिति को और मजबूत किया।

संगीत के अलावा, नोरा फिल्म और फैशन में भी धूम मचा रही हैं। उन्होंने बी हैप्पी में अपनी मुख्य भूमिका से दर्शकों को प्रभावित किया और अब वे बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट द रॉयल्स में नजर आने वाली हैं।

बॉक्स ऑफिस पर सफल होना हमेशा एक अद्भुत अनुभव होता है : वाणी कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर का कहना है कि बॉक्स ऑफिस पर सफल होना हमेशा एक अद्भुत अनुभव होता है। वाणी कपूर अपनी नई फिल्म 'रेड 2' की ज़बरदस्त सफलता से बेहद खुश हैं, जिसमें वह अजय देवगन के साथ नजर आ रही हैं। फिल्म को दर्शकों से चारों ओर से जबरदस्त प्यार मिल रहा है। फिल्म ने चार दिनों में 70 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म रेड 2 जल्द ही 100 करोड़ क्लब में शामिल होने की ओर बढ़ रही है। वाणी कपूर ने कहा, बॉक्स ऑफिस पर सफल होना हमेशा एक अद्भुत और अवास्तविक-सा अनुभव होता है। ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना, जो दर्शकों से जुड़ती है, मेरे लिए गर्व की बात है। 'रेड 2' को मिल रही प्रतिक्रिया दिल को छू लेने वाली है और मैं इस यात्रा का हिस्सा बनने के लिए बेहद आभारी हूं। वाणी कपूर

ने कहा, फिल्म रेड 2 की कहानी बेहद प्रभावशाली है। राज कुमार गुप्ता सर के दूरदर्शी निर्देशन में काम करना मेरे लिए एक समृद्ध अनुभव रहा। मीडिया, समीक्षकों और दर्शकों से जो सराहना मुझे मिली है, उसके लिए मैं दिल से आभार प्रकट करती हूं। अजय सर और राज कुमार गुप्ता सर के साथ काम करना एक कलाकार के रूप में मुझे निखारने वाला अनुभव रहा। 'रेड 2' की सफलता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। हर वह प्रोजेक्ट जो दर्शकों के साथ जुड़ता है, मुझे और मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है।

फिल्म 'रोमियो एस3' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

पलक तिवारी और ठाकुर अनूप सिंह अभिनीत हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर फिल्म रोमियो एस 3 का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। फिल्म रोमियो एस 3 के ट्रेलर में दर्शकों को गोवा के आपराधिक अंडरबेली में स्थापित एक तनावपूर्ण दुनिया से परिचित कराया गया है। इस फिल्म में ठाकुर अनूप सिंह ने डीसीपी संग्राम सिंह शेखावत की भूमिका निभाई है, जो एक सख्त पुलिस अधिकारी हैं और एक शक्तिशाली ड्रग कार्टेल को खत्म करने के लिए दृढ़ हैं। पलक तिवारी एक खोजी पत्रकार की भूमिका में हैं, जो सच्चाई की तलाश में लड़ाई के बीच में आ जाती है।

फिल्म रोमियो एस 3 का निर्देशन गुड्डु धनोआ ने किया है और पेन स्टूडियो और वाइल्ड रिवर पिक्चर्स ने इसका समर्थन किया है। अनूप ने कहा, रोमियो एस 3 एक आशीर्वाद है, एक ऐसी फिल्म जो प्रभाव और दिल से मनोरंजन करती है। मैं उन सभी का आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और एक एक्शन हीरो के रूप में सिनेमा की दुनिया में मेरी यात्रा को आकार देने में मदद की। इस फिल्म पर गुड्डू सर के साथ काम करना अविश्वसनीय रहा है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमारी ऊर्जा को महसूस करेंगे। मुझ पर न केवल एक अभिनेता के रूप में बल्कि एक एक्शन हीरो के रूप में भी भरोसा करने के लिए डॉ. जयंतीलाल गडा सर और पेन स्टूडियो का बहुत-बहुत धन्यवाद। फिल्म 'रोमियो एस 3' 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'द केरल स्टोरी' को दो साल पूरे, अदा शर्मा ने कहा, 'लड़कियों की रोल मॉडल बनने पर खुश हूं'

मुंबई/एजेन्सी

पांच मई 2023 को बड़े पर्दे पर एक फिल्म रिलीज हुई, जिसका नाम है 'द केरल स्टोरी'... इस फिल्म को लेकर खूब बवाल मचा। फिल्म की कहानी केरल की चार लड़कियों के धर्मांतरण पर आधारित है। फिल्म में लव जिहाद, हिजाब और आईएसआईएस जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिसके चलते इस फिल्म को काफी विरोध का सामना करना पड़ा। आज इस फिल्म को रिलीज हुए दो साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस अदा शर्मा ने आईएएनएस से बात की और बताया कि क्यों यह फिल्म आज भी दर्शकों के दिलों में बसी हुई है। अदा ने कहा, दर्शक और बॉक्स ऑफिस नाम, पैसे या पारिवारिक पहचान नहीं देखते। वे काम और मेहनत देखते हैं। मैं दर्शकों की आभारी हूं। मैं ऐसे बहुत से लोगों से मिलती हूं, जिन पर फिल्म ने गहरा असर डाला है और सबसे प्यारी बात, जिसकी मुझे बहुत खुशी है कि मैं देश की लड़कियों और महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बन पाई हूं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी कुछ बीटीएस फोटोज शेयर की। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में अदा के शरीर पर चोटों और घावों के निशान साफ नजर आ रहे हैं, जो उनके किरदार का हिस्सा थे। इन फोटोज को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, इंसान का दिमाग 75 प्रतिशत पानी से बना होता है। पानी की कमी से आपका फोकस, मेमोरी और सोचने की शक्ति पर असर पड़ सकता है।

अंग्रेजी लघु फिल्म 'इकोज ऑफ अस' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता जो राजन और बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा बत्रा की अंग्रेजी लघु फिल्म इकोज ऑफ अस की शूटिंग शुरू हो गयी है। अंग्रेजी लघु फिल्म इकोज ऑफ अस से टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता और गायिका यूलिया वंतूर अभिनय की दुनिया में कदम रख रही हैं। इस फिल्म का निर्माण ग्लोबेलिंक द्वारा किया गया है, जो लॉस एंजिल्स स्थित प्रोडक्शन हाउस है, जिसका नेतृत्व अभिनेत्री और उद्यमी पूजा बत्रा करती हैं।

इकोज ऑफ अस में प्यार, नुकसान और मानवीय संबंधों के शक्तिशाली विषयों की खोज की गई है, जिसे अनुभवी भारतीय अभिनेता दीपक तिजोरी और उभरती स्पेनिश प्रतिभा एलेसेंड्रा व्हेलन मेरेडिज सहित विविध कलाकारों द्वारा जीवंत किया गया है।

जो राजन द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म की कहानी एक मार्मिक कथा का वादा करती है जो संस्कृतियों और सीमाओं के पार गूंजती है। पूजा बत्रा ने कहा,जब जो ने स्क्रिप्ट के लिए संपर्क किया, तो मैं तुरंत इसकी ओर आकर्षित हो गयी। मुझे कहानी पसंद आई और मैंने निर्माता के रूप में इसमें शामिल होने का फैसला किया।

'महारानी 4' की शूटिंग कर रही हैं हुमा कुरैशी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपनी आने वाली वेबसीरीज महारानी 4 की शूटिंग कड़ी धूप में भोपाल में कर रही हैं। हुमा कुरैशी ने वेबसीरीज महारानी के तीन पार्ट में काम किया है। अब इसका चौथा सीजन आने वाला है। महारानी सीरीज में हुमा ने रानी भारती का किरदार निभाया है, जिसे काफी पसंद किया। यह शो बिहार की राजनीति की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हुमा कुरैशी इन दिनों महारानी सीजन 4 की शूटिंग कर रही हैं। वह मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में महारानी 4 की शूटिंग कर रही हैं। भोपाल में भीषण गर्मी पड़ रही है। इसके बावजूद हुमा ने सीरीज के शूटिंग शेड्यूल को नहीं टाला और कड़ी मेहनत के साथ वह महारानी 4 के लिए तैयारी कर रही हैं। महारानी 4 इस साल के अंत में ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर स्ट्रीम किया जा सकता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

स्वाभिमान गिरवी रखकर प्राप्त किया हुआ सोना, चांदी, महल भी मिट्टी के समान है और स्वाभिमान की सूखी रोटी भी पांच पकवान से बढ़कर है। जिस व्यक्ति के जीवन में देश के प्रति स्वाभिमान नहीं होता वह जिंदा भी मुर्दे के समान है। स्वाभिमान ही धर्म का प्रवेश द्वार है, इसके बिना कितना ही दान, त्याग, तपस्या की जाएं, सब व्यर्थ हैं। यहां तक कि यदि संत भी बन जाए तो भी विश्व के किसी धर्म में प्रवेश नहीं हो सकता है। विश्व के सभी महापुरुषों ने स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना तन, मन, धन सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

कांचीपुरम् में दो धर्म धाराओं का मिलन

कांचीपुरम्/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। मंगलवार को मुनिश्री रश्मि कुमार जी और मुनि श्री प्रियांशु जी ने कांचीपुरम में कांची कामकोटि पीठाधिपतिश्री शंकर विजेंद्र सरस्वती शंकराचार्य स्वामीजी के साथ धर्म चर्चा की। इस अवसर पर कांचीपुरम तेरापंथ सभा से मोहनलाल सिसोदिया, अनिल धारीवाल, राजेश सिसोदिया, संजय सिसोदिया एवं सुगना बाई सिसोदिया उपस्थित थे।

स्टार हेल्थ ने राजीव खेर को बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत की सबसे बड़ी रिटेल हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी, स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (स्टार हेल्थ इंश्योरेंस) ने स्वतंत्र निदेशक राजीव खेर को कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। यह निर्णय 29 अप्रैल 2025 को आयोजित बोर्ड की बैठक में लिया गया। यह नियुक्ति भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के अधीन है। खेर के पास अंतरराष्ट्रीय व्यापार, औद्योगिक विकास, सतत नीति और विनियामक शासन में चार दशकों से अधिक का उत्कृष्ट अनुभव है। वे भारत सरकार के पूर्व वाणिज्य सचिव और भारतीय प्रशासनिक सेवा (एआईएस)के वरिष्ठ अधिकारी रह चुके हैं। उन्होंने पर्यावरण और वाणिज्य मंत्रालयों में नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाईं और प्रतिस्पर्धा अपीलीय न्यायाधिकरण के सदस्य भी रहे हैं। वे भारत की विदेश व्यापार नीति (2015-2020) के निर्माण, अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताओं के नेतृत्व और वैश्विक मानकों के अनुरूप नीतिगत ढांचे तैयार करने के लिए विख्यात हैं। उनकी विशेषज्ञता की सराहना सरकार, वैश्विक कंपनियों और नीति संस्थानों द्वारा की जाती है।

कोयंबटूर कलेक्टर ने मद्रास उच्च न्यायालय में पुष्टि की

ईशा ने सभी आवश्यक स्वीकृतियों के साथ श्मशान घाट का निर्माण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयंबटूर जिला कलेक्टर ने मद्रास उच्च न्यायालय में एक हलफनामा प्रस्तुत किया है, जिसमें पुष्टि की गई है कि ईशा फाउंडेशन ने सभी अनिवार्य स्वीकृतियां प्राप्त करने और कानून का पूर्ण अनुपालन करने के बाद इक्कराई बोलुवमपट्टी में एक श्मशान घाट का निर्माण किया है। आसपास की पांच ग्राम पंचायतों के निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग का जवाब देते हुए, ईशा फाउंडेशन ने क्षेत्र में सार्वजनिक उपयोग के लिए एक अत्याधुनिक श्मशान घाट बनाने की पहल की। हालांकि, परियोजना को रोकने के प्रयास में, कुछ निहित स्वार्थों ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की, जिसमें आरोप लगाया गया कि श्मशान घाट उचित अनुमति के बिना और मानदंडों का उल्लंघन करके बनाया गया था।

अपने हलफनामे में, कोयंबटूर जिला कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि ईशा फाउंडेशन ने तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से स्थापना की 'सहमति' (सीटीई) सहित सभी आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली हैं, और सभी लागू नियमों का पालन किया है। कोयंबटूर जिला कलेक्टर ने आगे कहा है कि याचिकाकर्ता जो पड़ोसी भूमि मालिक है, उसने अपने घर के लिए अनुमति भी नहीं ली है और उसने गृह कर का भुगतान भी नहीं किया है, जिससे याचिकाकर्ता के बारे में सच्चाई उजागर होती है। ईशा फाउंडेशन जीवन की अंतिम यात्रा में गरिमा को बहाल करने के प्रयास में दो दशकों से अधिक समय से तमिलनाडु भर में 15 श्मशान घाटों का संचालन और रखरखाव कर रहा है। पर्यावरण के अनुकूल बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित कर्मियों के साथ, ईशा सुनिश्चित करता है कि अंतिम संस्कार स्वच्छ, शांत और सम्मानजनक तरीके से किए जाएं, ऐसे समुदायों की सेवा करते हुए जिनके पास अक्सर सुरक्षित और सम्मानजनक श्मशान स्थलों तक पहुंच नहीं होती है।

'हैंड्स-4-सोसाइटी' ने अनाथालय के बच्चों के लिए आयोजित किया समर कैंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय हैंड्स-4-सोसाइटी संस्था ने शहर के 7 अनाथालयों के 200 से अधिक बच्चों के लिए सेंट फ्रांसिस कॉलेज, कोरमंगला में समर कैम्प का आयोजन किया जिसमें बच्चों के मनोरंजन के लिए नृत्य, जादू शो, ज़ुम्बा और मनोरंजक खेलों जैसी विविध गतिविधियां शामिल थीं । संस्था की यह पहल अनाथालय के बच्चों के साथ एक दिन बिताने और आनंद और खुशियों से भरा दिन मनाने के लिए है। विभिन्न नामी गिरामी कम्पनियों के स्वयंसेवकों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और कार्य को सराहा। संस्था के के संस्थापक आयुष भीमसरिया ने सभी स्वयंसेवकों और एनजीओ के प्रति आभार जताया।

पुणे टीम बनी 'जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग-2025' की विजेता, जेएसपीएल बेंगलूरु नॉर्थ टीम रही उपविजेता

'जीतो' ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया क्रिकेट का महाकुंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कनकपुरा रोड स्थित जैन इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में आयोजित जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग य-2025 में देशभर से आई 24 टीमों ने विभिन्न ग्राउंड्स में मैच खेले जिनमें लगभग 360 से अधिक खिलाड़ियों की सहभागिता रही। चार टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पहला सेमीफाइनल मुकाबला वापी और फ्यूचरा जेएसपीएल बेंगलूरु नॉर्थ टीम के बीच खेला गया, जिसमें नॉर्थ टीम ने मैच जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत में अमित कुमार को मैन ऑफ दि मैच घोषित किया। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में पुणे और बेंगलूरु-1 टीम के बीच मुकाबला हो जिसमें पुणे टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मैच में पुणे टीम का सामना फ्यूचरा जेएसपीएल बेंगलूरु नॉर्थ से हुआ, जहां पुणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 12 ओवर में 125 रन का लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बेंगलूरु नॉर्थ की टीम 104 रन ही बना सकी और पुणे टीम ने शानदार जीत के साथ खिताब अपने नाम कर लिया।

इस प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और टीमों को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ का खिताब पुणे टीम के ऋषभ बंबोली को, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ और मैन ऑफ दि सीरीज़ का खिताब फ्यूचरा टीम के आयुष कोठारी को, सर्वश्रेष्ठ फील्डर का पुरस्कार गोवालिया टैंक टीम के तृशंक जैन को, फेयर प्ले टीम का सम्मान पुणे को मिला। प्रतियोगिता में फ्यूचरा जेएसपीएल टीम उपविजेता रही।

इस अवसर पर जीतो स्पोर्ट्स अपेक्स से स्पोर्ट्स चेयरमैन विक्की ओसवाल, जीतो चैप्टर बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया सहित दोनों चैप्टर के बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सभी प्रायोजकों का सम्मान किया गया।नार्थ चैप्टर के महामंत्री विजय सिंघवी व साउथ चैप्टर के महामंत्री नितिन लूनिया ने समापन समारोह का संचालन किया और धन्यवाद दिया।

प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बीएमएस महिला महाविद्यालय बसवनगुड़ी द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता जील 2025' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, नेटबॉल स्पर्धा में 15 से भी ज्यादा महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेता टीम को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

ऑस्ट्रेलिया और भारत के संबंध पहले कभी इतने मजबूत नहीं रहेः एंथनी अल्बनीज

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के अपने समकक्ष एंथनी अल्बनीज को दोबारा प्रधानमंत्री चुने जाने पर मंगलवार को बधाई दी।

दोनों देशों के नेताओं ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए नई ऊर्जा के साथ मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

अल्बनीज ने इसका जवाब देते हुए कहा, ''पहले कभी ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच संबंध इतने मजबूत नहीं रहे, जितने अब हैं।'' उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं हमारे क्षेत्र के समृद्ध भविष्य के निर्माण के लिए आने वाले वर्षों में आपके साथ मिलकर काम करने की आशा करता हूं।'' ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने उन्हें बधाई देने के लिए मोदी को धन्यवाद दिया। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अपने मित्र एंथनी अल्बनीज से बात की और उन्हें उनकी पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। हमने भारत तथा ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने एवं सहयोग के नये क्षेत्रों की तलाश करने के लिए नई ऊर्जा के साथ मिलकर काम करने पर सहमत जताई।'' अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो 21 साल में लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं।

हार्वर्ड को प्रशासन की मांग पूरी नहीं करने पर नए संघीय अनुदान नहीं मिलेंगेः ट्रंप

वाशिंगटन/एपी

अमेरिका के शिक्षा विभाग ने सोमवार को घोषणा की कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को तब तक कोई नया संघीय अनुदान नहीं दिया जाएगा, जब तक वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की मांगों को पूरा नहीं करती है।

शिक्षा विभाग ने इस बाबत हार्वर्ड के अध्यक्ष को एक पत्र भेजा है, जिसे ट्रंप प्रशासन और इस प्रतिष्ठित संस्थान के बीच टकराव में एक बड़े घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले प्रशासन ने हार्वर्ड को दिए जा रहे 2.2 अरब डॉलर के संघीय अनुदान को रोक दिया था और अब ट्रंप विश्वविद्यालय से कर से छूट का दर्जा वापस लेने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं।

शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि हार्वर्ड को कोई नया संघीय अनुदान तब तक नहीं मिलेगा, जब तक वह विश्वविद्यालय के जिम्मेदार प्रबंधन को प्रमाणित नहीं करता और विभिन्न मुद्दों पर सरकार की मांगों को पूरा नहीं करता। उन्होंने कहा कि यह रोक केवल अनुसंधान के लिए मिलने वाले संघीय अनुदान पर लागू होगी और छात्रों को मिलने वाली ट्यूशन और फीस संबंधी संघीय वित्तीय सहायता पर लागू नहीं की जाएगी।

अधिकारी ने आरोप लगाया, ''हार्वर्ड चार महत्वपूर्ण मोर्चों पर गंभीर विफलताओं का सामना कर रहा है। ये मोर्चे हैं: यहूदी विरोध, नस्लीय भेदभाव, लापरवाही और विचारों की विविधता की अनदेखी। नए अनुदान प्राप्त करने की पात्रता पाने के लिए हार्वर्ड को संघीय सरकार से बातचीत करनी होगी और यह साबित करना होगा कि उसने प्रशासन की मांगों को पूरा किया है।'' इससे पहले हार्वर्ड के अध्यक्ष कह चुके हैं कि वह सरकार की शर्तों के आगे नहीं झुकेंगे। विश्वविद्यालय ने पिछले महीने अनुदान रोके जाने के खिलाफ मुकदमा दायर किया था।

जीवन बदलाव के लिए संतकृपा है रामबाण औषधि : संतश्री कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीरा। टुमकूर की ओर विहाररत राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी 'कमलेश' ने मंगलवार को सीरा ग्राम में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संतों के दर्शन मात्र से आत्मा निर्मल, विचार पवित्र और शरीर शुद्ध हो जाता है। तीन लोक की संपत्ति दान देकर भी एक सच्चे संत का निर्माण नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि संतों की एक दृष्टि हमारी किस्मत बदलने के लिए जीवन में रामबाण औषधि से भी महत्वपूर्ण है जो अनंत जन्मों के पुण्य से प्राप्त होती है। जैन संत ने कहा कि एक संत की सेवा करना अनंत आत्माओं की सेवा से बढ़कर है। हमारी सेवा से संत जितनी साधना करेंगे, परमार्थ का काम करेंगे, उसकी दलाली से तीर्थंकर गोत्र तक का बंधन हो जाता है। उन्होंने कहा कि जिसने माता-पिता और गुरु की सेवा करके उनके दिल को प्रसन्न करके जीत लिया, उसे चारों धाम की यात्रा से होने वाले लाभ से बढ़कर लाभ प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि सुपात्र दान सर्वश्रेष्ठ और महान होता है। यह अनंत गुना फलदाई होता है। आहार दान, वस्त्र दान, औषधि दान, स्थान दान का सहयोग बहुत मुश्किल से मिलता है। संतश्री के उपदेश से प्रभावित होकर नारायण राजपुरोहित ने सीरा के पास पुरोहित होटल पर जैन दिवाकर विहार धाम प्रारंभ किया जिसमें जैन समाज के सभी संप्रदाय के संतों के लिए आहार, पानी और रात्रि विश्राम की व्यवस्था होगी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.